

विभाजनकारी सोच

कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन की जरूरत बतायी है। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरावा और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ, एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिस पर धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। यदि उससे सामाजिक समरसता में खलल पड़ता है तो सरकार को दखल देने का मौका मिलता है। जो कि एक लोकतांत्रिक देश के लिये अच्छा संकेत नहीं है। कोई नहीं चाहता कि उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी संस्कृति के समाज का निर्माण कर सकते हैं। वैसे कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व काटूना आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे सताधीशों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित अभिव्यक्ति पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कहा जाता रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी द्वारा किसी मर्यादा को भंग करना घटिया या आपत्तिजनक तो हो सकता है लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। इसे कानून के आलोक में देखा जाना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कर्पूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल,आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए। बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है। कई लोग जाने-अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी-कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति भावनात्मक दुर्बलताओं से मुक्त नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे शेयर की जा रही सामग्री की तार्किकता पर मंथन जरूर करना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया आज एक ऐसा अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी गंभीरा को समझ सके। निस्संदेह, संयमित, तार्किक व सतर्क प्रतिक्रिया से हम अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का आनन्द ले सकते हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि एक बार राजा के मन में बड़ी ग्लानि हुई कि मेरे पुत्र नहीं है। राजा तुरंत ही गुरु के घर गए और चरणों में प्रणाम कर बहुत विनय की ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अवधपुरीं रघुकुलमनि राऊ। बेद बिदित तेहि दसरथ नाऊं ॥

धरम धुरंधर गुननिधि ग्यानी। हृदयँ भगति भति सारंगपानी ॥

अवधपुरी में रघुकुल शिरोमणि दशरथ नाम के राजा हुए, जिनका नाम वेदों में विख्यात है। वे धर्मधुरंधर, गुणों के भंडार और ज्ञानी थे। उनके हृदय में शार्ंगधनुष धारण करने वाले भगवान की भक्ति थी और उनकी बुद्धि भी उन्हीं में लगी रहती थी ॥

दो0-कौसल्यादि नारि प्रिय सब आचरन पुनीत।

पति अनुकूल प्रेम दृढ़ हरि पद कमल बिनीत ॥

उनकी कौसल्या आदि प्रिय रािनियाँ सभी पवित्र आचरण वाली थीं। वे (बड़ी) विनीत और पति के अनुकूल (चलने वाली) थीं और श्री हरि के चरणकमलों में उनका दृढ़ प्रेम था ॥

एक बार भूपति मन माहीं। भै गलानि मोरें सुत नाहीं ॥

गुर गृह गयउ तुरत महिपाला। चरन लागि करि विनय बिसाला ॥

एक बार राजा के मन में बड़ी ग्लानि हुई कि मेरे पुत्र नहीं है। राजा तुरंत ही गुरु के घर गए और चरणों में प्रणाम कर बहुत विनय की ॥

(क्रमशः....)

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें।

राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है। हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है।

पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाले आयात पर भी टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रैयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को

तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयवधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक



घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाये जाने का प्रस्ताव है और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों को आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई

दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बंधों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजराइल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से



भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है। अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रैयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजर अन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बंधों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुकसान इन्हीं देशों को अधिक होने जा रहा है है

पारिवारिक तनाव का समाधान कैसे हो?

मनोविज्ञान से जुड़ी अनेक रिपोर्ट्स बता रही हैं कि पारिवारिक परेशानियों के कारण देश में आत्महत्याओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह एक बड़ा सामाजिक सरोकार है। आइए, इस बिंदु को खंगालें और कुछ हल ढटोलें। हर दूसरे, तीसरे व्यक्ति में, पारिवारिक टेंशन, यानी कि पारिवारिक तनाव आजकल उफान पर है, यह एक ज्वलंत सामाजिक चिंता का बिंदु है। इससे परिवार के सभी सदस्य प्रभावित हो जाते हैं। क्यों बढ़ रहे हैं आजकल पारिवारिक तनाव, यह अपने आप में एक बहुत बड़ा सामाजिक सरोकार है। पारिवारिक तनाव परिवार के किसी एक या ज्यादा सदस्य को होने वाला तनाव होता है। आजकल यह तनाव परिवार के सदस्यों के बीच के भावनात्मक संबंधों, मनोदशा, कल्याण और पारिवारिक संबंधों को प्रभावित कर रहा है, और परिवारों को बिखेर रहा है। यूँ तो परिवार के सदस्यों के बीच में नोकझोंक होना आम बात है, परंतु यदि यह नोकझोंक लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह विवाद में बदल जाती है, जिसकी वजह से बेहद करीबी लोग भी एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं। इसका हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। पारिवारिक विवाद बच्चों के मानसिक विकास में रुकावट डालने के साथ-साथ घर के बड़ों के लिए भी बेहद नकारात्मक रूप से कार्य करता है। हमारे आसपास यही कुछ देखने में विदित हो रहा है। पारिवारिक टेंशन यानी तनाव को काबू करना आसान काम नहीं होता है, पर बावजूद इसके, यदि आप घर में लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा है और परिवार के सदस्यों को डील करना आपके लिए मुश्किल होता जा रहा है, तो इस स्थिति में खुद के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने की जगह अपनी भावनाओं को प्राथमिकता देना सीखें। समझें कि किससी स्थिति, आपको तनाव दे रही है, यदि बात अधिक बिगड़ती जा रही है तो इस स्थिति में खुद को प्राथमिकता दें।

इन मामलों से खुद को कुछ समय के लिए दूर कर लें, जब मन शांत हो तो शांति से लोगों से बातचीत करें और मसले का हल निकालने की कोशिश करें। यदि आप हर वक्त परिवार में चल रहे विवाद को सुलझाने की कोशिश करते रहते हैं, तो इसका आपके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ चीजें समय के साथ खुद ठीक हो जाती हैं, साथ ही

अन्य लोगों को भी चीजों को सही करने का मौका देना चाहिए। हमेशा सलाह देने और किसी काम को करने के लिए लोगों पर दबाव बनाने से आपको मानसिक स्थिति भी खराब होती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि खुद को मानसिक रूप से शांत रखने के लिए परिवार के सदस्यों से बेवजह की उम्मीद रखने से बेहतर है, चीजों को स्वीकार करें, यह जरूरी नहीं है कि परिवार के सभी सदस्य आपके विचार से सहमत हों, ऐसे में चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच अपनी बात को मनवाने के लिए विवाद को बढ़ावा न दें। दूसरों के विचारों को समझें और उसे अपनाएं। ऐसा करने से लोग आपकी लिए गए निर्णय को भी वैल्यू करेंगे और परिवार में नोकझोंक भी कम होगी। यदि आपके घर में पैसे से जुड़े मुद्दों को लेकर बात-विवाद चल रहा है या किसी प्रकार के अन्य संवेदनशील मुद्दे पर, तो इस स्थिति में विवादित मुद्दों पर बार-बार चर्चा न करें। क्योंकि ऐसा करने से घरेलू मतभेद अधिक बढ़ सकता है, जिससे केवल दूसरे लोग परेशान नहीं होंगे, बल्कि यह आपको भी पूरी तरह से बेकाबू कर देगा। ऐसे में जब घर-परिवार में शांति बनी हो, तो शांति को बनाए रखने की कोशिश करें। लोगों से सकारात्मक बातों पर चर्चा करें, ऐसा करने से हो सकता है कि विवाद कम हो। कई बार पारिवारिक विवाद में हम वर्तमान की स्थिति को छोड़, पुरानी विवादित बातों पर चर्चा करना शुरू कर देते हैं, जिसकी वजह से परेशानी और ज्यादा बढ़ सकती है। इस स्थिति में पुरानी बातों पर चर्चा करने से जितना बच सकते हैं, उतना बचें, वर्तमान में चल रही स्थिति को सुलझाने का प्रयास करें। टेंशन जीवन को पूरी तरह बर्बाद कर देती है, इनसान के पास जो अच्छे पल होते हैं, वो भी टेंशन की नजर हो जाते हैं, कुछ उपाय हैं जिनसे टेंशन को कम किया जा सकता है। जिस वजह से टेंशन है, उस समस्या को सुलझाने का प्रयास किया जाए और यदि कोई बड़ा नुकसान हो गया, तो उस नुकसान के असर को कम कैसे किया जा सकता है, इस पर विचार करके ठोस कदम उठाए जाएं। मेडिटेशन = आप जिस भी खुदा, भगवान को मानते हों, कुछ समय उनके साथ बिताया जाए, ध्यान लगाया जाए, यह वास्तव में मन को बहुत सुकून देता है। अपने अच्छे दोस्तों या पारिवारिक सदस्यों के साथ समय बिताया जाए। हम भागदौड़ और टेंशन में अपनों का साथ खोते जा रहे हैं। एक लंबी वाँक भी आपकी टेंशन

को काफी हद तक कम कर देती है। मैं अक्सर लंबी वाँक करता हूँ और अकेले अपने साथ भी समय बिताता हूँ, अच्छा संगीत भी मन को सुकून देता है, या कोई भी ऐसी हॉबी जो आपको पसंद हो, उस पर काम किया जाए। जैसे अच्छी किताबें पढ़ना, पेंटिंग बनाना, डांस करना इत्यादि। व्यायाम = यह टेंशन और स्ट्रेस भगाने का सबसे अच्छा माध्यम है। ऐसा मैं अपने अनुभव से कह रहा हूँ। यह तबीयत को एकदम हल्का कर देता है और अपने आप शरीर और मन में स्फूर्ति भर जाती है। अच्छा भोजन और अपना पसंदीदा खाना भी टेंशन को काफी हद तक कम करता है, अपनी पसंद की कोई अच्छी डिश बना कर आप समय को अच्छा बना सकते हैं। अगर समय हो तो कोई अच्छी मूवी देखनी चाहिए। जब हम टीवी देखते हैं, तो काफी हद तक दिमाग टीवी में उलझ जाता है और अपनी व्यक्तिगत बातों से हट जाता है, और सबसे बढ़ कर यह कि इस बात पर विश्वास होना चाहिए कि कोई भी टेंशन जीवन से बढ़ कर नहीं, टेंशन आनी-जानी है, यह जीवन का हिस्सा है। इसे खुद पर सवार नहीं करना चाहिए। इनसान से शक्तिशाली कोई नहीं, वो दुनिया में हर असंभव को संभव कर सकता है। याद रहे आज के दौर में, हर आदमी के लिए सबसे बड़ा तनाव होता है पारिवारिक तनाव। तनाव पर परिणाम तो हमेशा बुरा और विनाशकारी ही होता है। आज के युग में जब परिवार में तनाव हो जाता है, तो हमारा सबसे पहला काम है कि हम अपना धैर्य बनाकर रखें। एकांत चित्त होकर, यह विचार करें कि समस्या की मूल जड़ क्या है? पारिवारिक फैसले के लिए दिमाग के साथ-साथ दिल की भी सुनें। अगर आप परिवार के सबसे बड़े हैं, तो फैसला बहुत सोच समझ कर लें। अगर छोटे हैं, तो अपना फैसला एक सुझाव के तौर पर अपने परिवार में अपने स्वभाव से मेल खाते हुए, किसी अन्य व्यक्ति के साथ सांझा करें, और दोनों मिलकर, परिवार के मुखिया से बात करें। यह विचार, पारिवारिक तनाव को कुछ हद तक कम करने में मदद कर सकेगा। हम सबके लिए बेहतर है कि हम पारिवारिक टेंशन को जिंदगी की जिंदादिली पर हावी न होने दें। अंत में बकील फिराक गोरखपुरी, ‘यह माना कि, जिंदगी है चार दिन की, बहुत होते हैं यारो, चार दिन भी।’

डा. वरिंद भाटिया कालेज प्रिंसीपल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, सप्तमी

राशिफल

(विक्रम संवत् 2082)

मेष- (वृ, चे, वो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) मानसिक परेशानी, अनाब-शनाब खचें होंगे। अज्ञात भय। पार्टनरशिप में प्रॉब्लम। प्रेम, संतान ठीक ठाक है।	सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टू, टे) परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।	धनु- (ये, यो, भा, भी, मू, धा, फा, ठा, भे) गृह कलह से बचें। स्वयं के स्वास्थ्य पे और मां के साथ और स्वास्थ्य पे ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।
वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) आय में उतार चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा लाभकारी नहीं होगी। समाचार की प्रति थोड़ी संदिग्ध होगी।	कन्या- (टो, पा, पी, पु, ष, ण, ठ, पे, पो) स्वास्थ्य पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी में थोड़ी सी बहुत अच्छी स्थिति नहीं दिख रही है।	मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी) पराक्रम थोड़ा कम रंग जाएगा। व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। प्रेम, संतान ठीक ठाक। व्यापार मध्यम।
मिथुन- (का, की, कु, घ, उ, छ, के, छे, हा) व्यापारिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कोर्ट कचहरी में मनचाहा रिजल्ट नहीं आएगा। राजनीतिक लाभ कब मिलेंगे।	तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त) शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। मासिक स्थिति थोड़ा काम करेगी। थोड़ा डिस्टर्बेंस रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम।	कुम्भ- (गु, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, ड) जुआ, सट्टा, लांटेरी में पैसे न लगाएं। नुकसान का संदेह है। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।
कर्क- (ही, हू, हे, हो, अ, डी, डू, डे, डा) यात्रा करने से भी अभी बचें। स्वास्थ्य पे अभी ध्यान दें। प्रेम, संतान ठीक है। व्यापार भी ठीक रहेगा।	वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यु) बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में कोई बड़ी तकरार न हो, इस बात का ध्यान रखें। विद्यार्थी अभी कोई नई शुरुआत न करें।	मीन- (दी, दु, झ, घ, दे, दो, च, चा, चि) घबरहाट, बेचैनी बनी रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। रक्तचाप ऊपर नीचे होगा ध्यान रखें।

पूर्वोत्तर भारत को मिली नई रफ्तार रेल लाइन से मिजोरम में बहेगी विकास की बयार

नई दिल्ली (एजेंसी) वर्ष 2025 मिजोरम के इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर दर्ज हुआ है। पहली बार इस पर्वतीय राज्य की राजधानी आइज़ोल को देश के ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क से जोड़ा गया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बड़बी-सायरंग ब्रॉड गेज रेल परियोजना के पूरा होने से संभव हो सकी है। यह न केवल मिजोरम, बल्कि समग्र पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और सामाजिक समरसता के लिए भी एक क्रांतिकारी कदम है।

मिजोरम भारत का एक दूरस्थ, पहाड़ी और सीमावर्ती राज्य है, जिसकी सीमाएं उत्तर में असम और मणिपुर, पश्चिम में त्रिपुरा और बांग्लादेश तथा पूर्व व दक्षिण में म्यांमार से मिलती हैं। समुद्र से कटा होने और ऊबड़-खाबड़ भौगोलिक संरचना के कारण यह राज्य अब तक सड़क मार्ग पर ही निर्भर था। सीमित सड़क कनेक्टिविटी और अविकसित बुनियादी ढांचे के कारण यह क्षेत्र देश की मुख्यधारा से कटा-कटा महसूस करता था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 नवंबर 2014 को बड़बी-सायरंग रेल परियोजना की आधारशिला रखी थी। इसके बाद भूमि अधिग्रहण कार्य 2014-15 में पूर्ण किया गया और 2015-16 से निर्माण कार्य आरंभ हुआ।



अनेक चुनौतियों को पार करते हुए यह परियोजना 2025 में पूरी हुई और जून 2025 में रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने इसके संचालन की अनुमति प्रदान की।

परियोजना के अंतर्गत 51.38 किमी लंबी ब्रॉड गेज रेलवे लाइन का निर्माण किया गया है, जिस पर 100 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेनों का परिचालन संभव है। इस रेल खंड पर बड़बी

से सायरंग के बीच हॉतीकी, कवनपुई और मुआलखांग स्टेशन स्थित हैं। परियोजना में कुल 48 सुरंगें बनाई गई हैं, जिनकी कुल लंबाई 12.85 किमी है। इसके अलावा, 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल, 5 रोड ओवरब्रिज तथा 9 रोड अंडरब्रिज भी बनाए गए हैं। इनमें से सबसे ऊंचा पुल 104 मीटर ऊंचा है, जो दिल्ली की कुतुबमीनार से भी ऊंचा है। इस परियोजना की

कुल लागत 7,714 करोड़ आंकी गई है और इसके निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे को दी गई थी।

यह परियोजना मिजोरम के आम नागरिकों, विशेषकर ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सड़क मार्ग की सीमाओं से जूझते इन लोगों को अब तेज, सुरक्षित और सस्ता परिवहन विकल्प

मिलेगा। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाएं और उच्च शिक्षा तक पहुंच आसान होगी, बल्कि राज्य के युवाओं को रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर भी मिलेंगे।

कृषि क्षेत्र में भी इसका प्रभाव दूरगामी होगा। स्थानीय किसान अब अपने कृषि उत्पादों को देश के विभिन्न बाजारों तक कम लागत और कम समय में पहुंचा सकेंगे, जिससे उनकी आमदनी में इजाफा होगा। इससे राज्य की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नया बल मिलेगा।

पर्यटन की दृष्टि से भी यह रेलवे लाइन अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिजोरम की मनोहारी प्राकृतिक छटा, सुरंगें, घाटियाँ और पुल इस रेल यात्रा को यादगार अनुभव में बदल देंगे। इससे न केवल घरेलू बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका सामरिक महत्व है। म्यांमार सीमा के करीब होने के कारण यह रेलवे लाइन भारत की सामरिक रणनीति को भी मजबूती देती है। यह भविष्य में दक्षिण-पूर्व एशिया तक रेलवे संपर्क के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है और भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' को गति देने वाला एक प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है।

अब मिजोरम की राजधानी आइज़ोल भी भारतीय रेल मानचित्र पर दर्ज हो चुकी है। इसके साथ ही पूर्वोत्तर की अन्य राज्य राजधानियाँ गुवाहाटी (असम), इटानगर (अरुणाचल प्रदेश), अगरतला (त्रिपुरा), और शिलांग (मेघालय) (हालांकि शिलांग आंशिक रूप से) ब्रॉड गेज नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं।

इस परियोजना के दौरान मौसम, भूगोल और संसाधनों की जो चुनौतियाँ सामने आईं, उन्होंने भारतीय रेल की इंजीनियरिंग क्षमता, प्रबंधन दक्षता और दूरदृष्टि को प्रमाणित किया। क्षेत्र में वर्षभर केवल 4-5 महीने ही निर्माण कार्य संभव था, शेष समय वर्षा और भूस्खलन के कारण कार्य अवरुद्ध रहता था। संकरी और तीव्र ढाल वाली सड़कों पर निर्माण सामग्री को बड़े ट्रकों से उतार कर छोटे वाहनों से ढोया गया। साथ ही, श्रमिकों की कमी, नेटवर्क की समस्याएं और भौगोलिक अलगाव जैसी बाधाओं के बावजूद परियोजना समयबद्ध रूप से पूरी की गई।

बड़बी-सायरंग रेलवे परियोजना मिजोरम के विकास की नई रेल बन चुकी है जो कनेक्टिविटी से कहीं आगे, एक सामाजिक, आर्थिक और सामरिक बदलाव का वाहक बन चुकी है।

कैबिनेट मंत्री से मिले बंशीधर उपाध्याय



लखनऊ, बंधोही। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी पंडित बंशीधर उपाध्याय ने कल जनपद की ताजा राजनीति एवं विकास के मुद्दों को लेकर कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह से लखनऊ में मुलाकात की। बताते चलें कि 2027 में होने वाले आम विधानसभा चुनाव को लेकर दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई।

जिलाध्यक्ष की मनमानी बनी चर्चा का विषय कर्मठ कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, चहेतों को तरजीह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ‘अंधा बटे रेवड़ी अपने-अपने को दे।’ यह कहावत इन दिनों जिला भाजपा पर चरितार्थ हो रही है। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी के मंडलों की कार्यकारिणी घोषित की गई है। इन कमेटियों में कर्मठ तथा सक्रिय कार्यकर्ताओं को तरजीह नहीं दी गई है। आरोप है कि इन कमेटियों में अपने चहेते लोगों को रखा गया है।

बता दें कि दो मंडलों को छोड़कर विगत भाजपा में मंडलों की कार्यकारिणी घोषित की गई है। नाम न छापने की शर्त पर पुराने



कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि इस कार्यकारिणी में खास-खास लोगों को स्थान दिया गया है और काम करने वाले लोगों को दरकिनार कर दिया गया है। इसी

कड़ी में कल क्षत्रिय समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा से भी मुलाकात कर अपनी नाराजगी जाहिर की है।

बताते चलें कि भारतीय जनता पार्टी के नए जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने जब से कार्यभार ग्रहण किया है तभी से पार्टी में हर रोज नया विवाद उत्पन्न हो रहा है। जिला अध्यक्ष की मनमानी जग जाहिर है। एक जाति विशेष पर अपनी कृपा बना रहे हैं। वहाँ स्थिति यह है कि जिला अध्यक्ष के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में केवल

दर्जन भर से कम ही लोग उपस्थित हो रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा मंडल की कार्यकारिणी में भी पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा साफ दिखाई पड़ रही है। नए लोगों को तो जगह मिली है लेकिन जो पुराने कार्यकर्ता हैं उन्हें कार्यकारिणी में कोई जगह नहीं मिली। भारतीय जनता पार्टी ने यदि समय रहते भाजपा के जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा की मनमानी पर अंकुश नहीं लगाया तो 2027 के चुनाव में पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने लगाए श्मशान घाट पर 101 पौधे



जिलाधिकारी से रास्ता बनाने की कांग्रेस नेता ने की मांग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जहां एक ओर सरकार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करवा रही है वहीं कुलीपूरा गांव के निवासी देवेंद्र भागत ने श्मशान घाट पर 101 पौधे लगाए हैं। बताते चलें कि देवेंद्र भागत पौधा रोपण में विशेष रूचि रखते हैं और वह अपनी मेहनत एवं लगन से इस कार्य को पूर्ण किया है। अगर इसी तरह हर व्यक्ति गांव एवं सेक्टर में पौधारोपण करना शुरू कर दे तो हमारे देश में वृक्षारोपण की बहार आ जाएगी। लेकिन देवेंद्र भागत ने तो पौधारोपण कर दिया परंतु इसके रखरखाव के लिए प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन के आलाह अपसर को आगे आना होगा। इस मौके पर कांग्रेस नेता रोहित कुलीपुरा ने जिलाधिकारी से श्मशान घाट तक सड़क बनवाने की मांग की है।

पृष्ठ एक के शेष....

मुकदमेबाजी में ..
रिपोर्टर दर्ज नहीं की। न्यायालय ने पीठित की शिकायत पर सुनवाई करते हुए थाना सूरजपुर पुलिस को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने का निर्देश दिया। पुलिस का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

खड़े ट्रक में घुसी...
फजलरुख चौराहे से दिल्ली के लिए रात करीब 9-30 बजे चली थी। रास्ते में ही बस ने एक और बस में टक्कर मारी थी, जिसमें खिड़कियों के शीशे टूटे थे। इसके बावजूद बस आगे बढ़ती रही और तड़के करीब 4 बजे यमुना एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक में पीछे से भीषण टक्कर मार दी।

कानपुर देहात के रहने वाले घायल यात्री आदिल ने बताया कि वह सिकंदरा से बस में सवार हुए थे और दिल्ली जा रहे थे। बस में करीब 50 से 60 यात्री सवार थे, जिनमें से 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हाईवे पर तैनात एंबुलेंस चालक कोमल सिंह ने बताया कि एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही 6 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और घायलों को टम्पल स्वास्थ्य केंद्र व कैलाश हॉस्पिटल पहुंचाया गया। पुलिस ने भी तत्काल पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और यातायात को सुचारू कराया।

टम्पल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. वृजेश ने बताया कि 17 घायलों को प्राथमिक

उपचार दिया गया, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। बाकी 37 घायलों को बेहतर इलाज के लिए कैलाश हॉस्पिटल भेजा गया है।

चोरी की बाइक...

बदमाशों के निशानदेही पर पुलिस ने डाकिया बाबा मंदिर के पास खंडहर में छुपा कर रखी गई तीन बाइकों की भी बरामद कर लीया बदमाशों ने बताया कि वह वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कार्यालय में पेश किया है।

पूर्व मेजर जनरल के साथ...

कानूनी कार्रवाई करने के लिए कहा तो कंपनी के डायरेक्टर प्रमोटर ने उन्हें कानूनी कार्रवाई करने से रोकते हुए 4 बीएचके के स्थान पर 3 बीएचके का दूसरा प्लेट आवंटित करने का प्रस्ताव रखा। उन्हें आश्वासन दिया गया कि 5 वर्षों की देरी पर जमा राशि पर जो ब्याज बनेगा उसे वह प्लेट की राशि में समायोजित कर लेंगे। इस दौरान उन्होंने कंपनी को 145880 रुपए का भुगतान कर दिया था। कंपनी ने उनकी पत्नी परमजीत कौर को प्रोजेक्ट में एक 3 बीएचके का प्लेट आवंटित कर दिया और उनसे 4 बीएचके प्लेट के सभी दस्तावेज झूठ बोलकर ले लिए गए। आरोपियों ने उन्हें दूसरे प्लेट के कोई भी दस्तावेज नहीं दिए और उनसे ब्याज की धनराशि की मांग की जाने लगी। यथोक्त सिंह ने बताया कि प्लेट के सभी जरूरी दस्तावेज व कब्जा ना दिए जाने के कारण

उन्होंने लखीचंद भड़ाना को प्लेट में सह आवंटि बना लिया। कंपनी द्वारा भुगतान लेने के बावजूद भी उन्हें ना तो प्लेट का कब्जा दिया गया और ना ही जरूरी दस्तावेज दिए गए। इस दौरान कंपनी ने जालसाजी करते हुए कूटरचित्त दस्तावेज तैयार कर उनके प्लेट का क्षेत्रफल को बदलकर उस प्लेट का बैनामा श्रीमती खुशबू रावल निवासी दिल्ली के नाम कर दिया। इस बात की जानकारी मिलने पर जब उन्होंने कंपनी कर्मचारियों से बातचीत की तो आरोपियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार कर जान से मारने की धमकी दी। पीठित के मुताबिक उन्होंने थाना बीटा-2 में शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में आरोपियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के बाद न्यायालय ने थाना बीटा-2 को आरोपियों के खिलाफ रिपोर्टर दर्ज करने के निर्देश दिया।

कांग्रेस ने की...

कमेटी सदस्य यतेन्द्र शर्मा, बागपत के कोऑर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा, हापड़ के कोऑर्डिनेटर पुरुषोत्तम नागर, महानगर संगठन प्रभारी ललित अनावा, महानगर के उपाध्यक्ष नीरज लोहिया, उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी, जिला गौतमबुद्धनगर के सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व महानगर कांग्रेस कमेटी के सभी 9 लोगों के अध्यक्ष व ब्लॉक के प्रभारी महानगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सोसायटी की लिफ्ट में मारपीट, 4 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के मिशन सोसाइटी में लिफ्ट में लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चले पुलिस ने इस मामले में चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। मारपीट की इस घटना से सोसाइटी में काफी दर तक अफरा तफरी का माहौल रहा। 14, 15 की रात्रि को मिशन विन सोसाइटी के टॉवर-7 में किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच वाद विवाद हो गया। वाद-वाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई और लाठी-डंडे चले। इस घटना की कुछ लोगों ने वीडियो बना ली और उसे सोसायटी के मेटेनेस व्हाट्सएप ग्रुप पर वायरल कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना सूरजपुर पुलिस ने जांच पड़ताल की। जांच के दौरान पता चला कि सोसायटी में रहने वाले आदित्यन, विदितल, मोहम्मद रिजु, शिंदो, तथा दूसरे पक्ष के तुषार चरपाना व उसके दो अन्य साथियों के बीच मारपीट हुई थी।

श्रमिकों का शोषण करने पर कब्जालाह कंपनी को नोटिस

नोएडा (चेतना मंच)। श्रम कानूनों का उल्लंघन करके श्रमिकों का उत्पीड़न करने पर तथा वार्ता में न आने पर अब सहायक श्रम आयुक्त ने सेक्टर-66 स्थित कब्जालाह कंपनी को नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस में कहा गया है कि वे 19 जुलाई को होने वाली बैठक में आकर अपना पक्ष रखें। सहायक श्रम आयुक्त ने उन्हें यह भी हिदायत दी है कि वार्ता होने तक वे कोई ऐसा काम न करें जिससे श्रमिकों में रोष उत्पन्न हो। बता दें कि गारमेंट्स एवं हौजरी उद्योग कर्मचारी संघ के मंत्री रिंशा झा ने कंपनी द्वारा श्रमिकों के शोषण को लेकर डीएलसी में शिकायत की थी। उसी का संज्ञान लेकर डीएलसी ने कंपनी के सेवायोजक को वार्ता हेतु तलब किया है।

द्राघ-प्रधानन्यायापक/इन्वार्ज प्रधानन्यायापक निम्नकिट प्राप्ति/ उपप्राप्ति/ कम्पोजिट विद्यालय विकास सगण्ड-दनकोर, जनपद गौतमबुद्धनगर

कार्यालय जिला बैसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पत्रांक / बैसिक शिक्षा / जर्जर/10911/2024-25 दिनांक 03 फरवरी 2025 के अनुपालन में उत्तर प्रदेश शिक्षा परिषद निदेशनाधीन परिषदीय प्राथमिक/ उच्च प्राथमिक / कम्पोजिट विद्यालयों के निम्नलिखित जर्जर जगहों की नीलामी समिति द्वारा निम्नलिखितानुसार की गयी है -

क्र.सं.	विद्यालय का नाम	जर्जर भवन के विद्यालय का नाम तथा निम्नलिखित	जर्जर भवन की कुलमत बोलोकी धनराशि	धरोहर की धनराशि	नितामी हेतु प्रथम तिथि	प्रथम तिथि को नितामी न होने की दशा में नितामी हेतु द्वितीय तिथि	द्वितीय तिथि को नितामी न होने की दशा में नितामी हेतु तृतीय तिथि	समय
1	कम्पोजिट विद्यालय खानपुर	कम्पोजिट विद्यालय खानपुर	1,83,435.00	18,400.00	18 जुलाई 2025	21 जुलाई 2025	24 जुलाई 2025	09 बजे
2	कम्पोजिट विद्यालय लठपुर्	कम्पोजिट विद्यालय लठपुर्	1,11,526.80	11,200.00	18 जुलाई 2025	21 जुलाई 2025	24 जुलाई 2025	10 बजे
3	प्राथमिक विद्यालय पंचवान	प्राथमिक विद्यालय पंचवान	67,932.00	6,800.00	18 जुलाई 2025	21 जुलाई 2025	24 जुलाई 2025	11 बजे
4	कम्पोजिट विद्यालय सिरसा	कम्पोजिट विद्यालय सिरसा	1,93,886.00	19,400.00	18 जुलाई 2025	21 जुलाई 2025	24 जुलाई 2025	12 बजे

नीलामी हेतु नियम व शर्तें -

- नीलामी में कोई भी व्यक्ति / फर्म नीलामी के दिनांक को कॉलम नंबर 5 में अंकित धनराशि नाद जमा कर नीलामी में प्रतिभाग कर सकता है
- कोई भी व्यक्ति / फर्म एक या अधिक या समस्त जर्जर विद्यालयों की नीलामी में प्रतिभाग कर सकता है।
- अधिकतम बोली दाता को उसी समय अर्थात् अगले कार्य दिवस में बोली की समस्त धनराशि विद्यालय के प्रबंध समिति खाते में जमा करनी होगी धनराशि जमा करने की पुष्टि के बाद धनराशि का अंश दे दिया जाएगा।
- निर्धारित समय में बोली की धनराशि जमा न करने पर धरोहर धनराशि जमा कर ली जाएगी तथा पुनः नीलामी की जाएगी।
- नीलामी वे पूर्व बोली दाता जर्जर विद्यालय भवन को किसी भी कार्य दिवस में भौतिक रूप से देख भी सकता है।
- वर्तमानकाल अर्थात् जारी होने के बाद दिवस के अंदर जर्जर भवन को धनराशि का अंश देकर मसबूके को हटाना होगा तथा जर्जर भवन के स्थान वाली भूमि को समतल करके देना होगा।
- असफल बोली दाता की धरोहर राशि नीलामी उपरान्त वापस कर दी जाएगी।
- प्रथम तिथि में नीलामी न होने की स्थिति में द्वितीय तिथि में नीलामी की जाएगी।
- द्वितीय तिथि में नीलामी न होने की स्थिति में तृतीय तिथि में नीलामी की जाएगी।
- किसी विवाद की स्थिति में समिति का अंतिम निर्णय ही मान्य होगा।
- किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र जयपद गौतम बुद्ध नगर होगा।

प्रधानन्यायापक / इन्वार्ज प्रधानन्यायापक
उपरोक्ता प्राप्ति/ उपप्राप्ति/ कम्पोजिट विद्यालय, विकास सगण्ड-दनकोर, जनपद-गौतमबुद्धनगर।

जीएसटी में 12 प्रतिशत खत्म हो सकता है स्लैब, पीएमओ ने दी मंजूरी

एजेंसी नई दिल्ली। जीएसटी से 12% का स्लैब खत्म हो सकता है। सरकार जीएसटी में बड़े बदलाव करने जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने जीएसटी में बड़े बदलाव को संवैधानिक मंजूरी दे दी है। सूत्रों की मानें तो जीएसटी लागू होने के आठ साल बाद यह पहला बड़ा बदलाव होगा। अगस्त में संसद के मानसून सत्र के बाद होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस बारे में प्रस्ताव रखा जा सकता है। जीएसटी काउंसिल ही इनडायरेक्ट टैक्स पर फैसले लेने वाली सबसे बड़ी संस्था है। वित्त मंत्रालय राज्यों से बात करके इस सुधार को आगे बढ़ाने पर सहमति बनाने की कोशिश करेगा। मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर संबंधित विभागों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। इस बदलाव में टैक्स स्लैब में

- ▶ टैक्स का ढांचा स्थिर हो रहा है और अर्थव्यवस्था मजबूत है, इसलिए यह बदलाव करने का सही समय है
- ▶ जीएसटी को आसान बनाने से अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिल सकता है

बदलाव और प्रक्रियाओं को आसान बनाना शामिल है। इससे ग्राहकों और कारोबारियों दोनों को राहत मिलेगी। जीएसटी काउंसिल ने टैक्स की दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए एक मंत्री समूह बनाया था, लेकिन



अभी तक कोई खास प्रगति नहीं हुई है। पिछले कुछ महीनों में उद्योग जगत ने सरकार से जीएसटी के ढांचे में बदलाव करने की मांग की है। इसमें दरें, स्लैब और प्रक्रियाओं को बदलने की बात कही गई है। कारोबारियों ने कई तरह की परेशानियां बताई हैं। अभी

जीएसटी में पांच मुख्य स्लैब 0%, 5%, 12%, 18% और 28% हैं। 5% स्लैब में जीएसटी के तहत आने वाले कुल सामानों का लगभग 21% हिस्सा है। 12% स्लैब में 19% सामान हैं, जबकि 18% स्लैब में 44% सामान आते हैं। सबसे ऊंची दर 28% में कुल सामानों का 3%

हिस्सा शामिल है। एक अहम प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है कि 12% के स्लैब को खत्म कर दिया जाए और उसमें आने वाले सामानों को 5% या 18% के स्लैब में डाल दिया जाए। **अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा** सरकार में उच्च स्तर पर इस बारे

में कई बार चर्चा हुई है। नीति निर्माताओं का मानना है कि जीएसटी को आसान बनाने से अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिल सकता है। एक व्यक्ति ने कहा कि एक सरलीकृत जीएसटी व्यवस्था अर्थव्यवस्था को और गति दे सकती है। उनका कहना है कि टैक्स का ढांचा स्थिर हो रहा है और अर्थव्यवस्था मजबूत है, इसलिए यह बदलाव करने का सही समय है। सरकार कई विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की योजना बना रही है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि स्थानीय उद्योगों को इन समझौतों का फायदा उठाने में कोई दिक्कत न हो। इनकम टैक्स कानून में भी जल्द ही बदलाव होने वाला है और इससे जुड़ा बिल मानसून सत्र में पेश किया जा सकता है।

एण्डटीवी ला रहा है घरवाली पेड़वाली



एजेंसी मुंबई। भारत के कुछ सबसे पसंदीदा कॉमेडी शोज में अब एण्डटीवी एक बार फिर हास्य और नयापन का तड़का लगाते हुए लेकर आ रहा है अपना नया फिक्शन शो घरवाली पेड़वाली। पेनिन्सुला प्रोडक्शन्स ने इसे प्रोड्यूस किया है। यह एक मजेदार फैमिली कॉमेडी है, जिसमें है एक दिलचस्प सुपरनेचुरल दिवस्ट। यह शो दर्शकों को टीवी देखने का एक और यादगार अनुभव देने वाला है। यह कहानी पृथ्वी मिश्रा नाम के भोले भाले शख्स की हैए जिसे लोग प्यार से जीतू कहकर बुलाते हैं। उसकी जिंदगी हमेशा से थोड़ी अलग रही है। जीतू की जिंदगी में हमेशा डबल पैटर्न देखने को मिला है। बचपन में दो माँ बाप ने उसकी

परवरिश की नौकरी में दो बाँस मिले और अब शादी के मामले में भी किस्मत ने उसे फंसा दिया है दो दो पत्नियों के चक्कर में दो-दो के फेर में फंसे जीतू का बस एक ही सपना था। एक सिंगल शादी और एक प्यारी सी बीबी का लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर है। एक मजेदार गड़बड़झाला जो एक बार फिर एक घरवाली और एक पेड़वाली के डबल डिलेला में उलझ कर रह गई है। जिसमें पारिवारिक ड्रामा के साथ जुड़ा एक भुलिया दिवस्ट। ये दिखाता है कि जब परेशानी डबल होए तो मस्ती भी डबल हो जाती है। मजेदार और अपनी सी लगने वाली कहानियों के साथ ये चैनल फिर साबित कर रहा है कि मस्ती के लिए दर्शकों का पहली पसंद बस एण्डटीवी ही है।

खास खबर

कोटक महिंद्रा बैंक की डिजिटल सेवाएं 17 से 21 जुलाई तक बंद मुंबई। अगर आपका खाता कोटक महिंद्रा बैंक में है, तो यह खबर आपके लिए जरूरी है। बैंक ने मटेनेंस कार्य के चलते अपनी कुछ डिजिटल सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रखने की घोषणा की है। 17 और 18 जुलाई की रात 12 बजे से सुबह 2 बजे तक मोबाइल और नेट बैंकिंग से एनईएफटी ट्रांजेक्शन नहीं किए जा सकेंगे। 20 और 21 जुलाई की रात 12 बजे से सुबह 2 बजे तक नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं इस ही तारीखों को रात 12 से सुबह 3 बजे तक पेंमेंट गेटवे सेवा भी काम नहीं करेगी। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि जरूरी ट्रांजेक्शन पहले ही पूरी कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

क्रिसकेपिटल खरीदेगी

थियोब्रोमा में बहुलांश हिस्सेदारी नई दिल्ली। मुंबई स्थित लोकप्रिय बेकरी श्रृंखला थियोब्रोमा में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के लिए तीन निजी इक्विटी कंपनियों ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। इनमें इंडियन फूड्स लिमिटेड और एटराडिडस इन्वेस्टमेंट्स वीपी (दोनों क्रिसकेपिटल से संबद्ध) और एववा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड शामिल हैं। यह प्रस्ताव ऐसे समय पर सामने आया है जब घरेलू निजी इक्विटी फर्म क्रिसकेपिटल, थियोब्रोमा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में लगभग 90 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की योजना बना रही है। इस डील का अनुमानित मूल्य करीब 2,410 करोड़ रुपए बताया जा रहा है।

श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल शुल्क पर चर्चा करने अमेरिका जाएगा कोलंबो। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने बताया कि अमेरिकी शुल्क विवाद पर चर्चा के लिए एक प्रतिनिधिमंडल 18 जुलाई को वॉशिंगटन रवाना होगा। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 44 प्रतिशत शुल्क के जवाब में श्रीलंका ने अमेरिकी वस्तुओं पर 88 प्रतिशत शुल्क लगाया था। अब 1 अगस्त की समय सीमा से पहले श्रीलंका इस शुल्क को 30 प्रतिशत तक कम कराने की कोशिश करेगा। हेराथ ने कहा कि अमेरिका से मिले पत्र में शुल्क कटौती की सभावना जताई गई है, जिसे लेकर श्रीलंका गंभीर है। देश के परिधान उद्योग पर इस विवाद का सीधा असर पड़ा है, जिससे हजारों नौकरियां खतरे में हैं।

टाटा स्टील ने किया इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस का शिलान्यास जमशेदपुर। टाटा ग्रुप और टाटा स्टील के चेयरमैन एन. वंदरेश्वरन ने हाल ही में यूके के पोर्ट टैलवोट में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएफए) परियोजना का शिलान्यास किया। इस मौके पर टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी टीवी नंदन तथा टाटा स्टील यूके के सीईओ राजेश नायर भी उपस्थित रहे। 1.25 बिलियन डॉलर के हरित रूपांतरण कार्यक्रम का अहम हिस्सा है, जिसमें यूके सरकार की ओर से 500 मिलियन डॉलर का महत्वपूर्ण वित्तीय सहयोग भी मिल रहा है। यह इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस यूनिट यूके में अब तक की सबसे बड़ी और अत्याधुनिक निम-कार्बन स्टील उत्पादन सुविधा होगी।

▶ अक्टूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही के मुकाबले जनवरी-मार्च 2025 में 3.6 प्रतिशत की तेजी देखी गई

एजेंसी नई दिल्ली। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने एक बयान जारी कर कहा कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में वैश्विक वस्तु व्यापार में सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अक्टूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही के मुकाबले जनवरी-मार्च 2025 में व्यापार में



3.6 प्रतिशत की तेजी देखी गई। डब्ल्यूटीओ के अनुसार इस वृद्धि के पीछे अमेरिका द्वारा सीमा शुल्क बढ़ाने की आशंका के कारण आयात गतिविधियों में तेजी आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक वस्तु व्यापार में यह बढ़ोतरी डब्ल्यूटीओ के पूर्वानुमानों से अधिक मजबूत रही। हालांकि, डब्ल्यूटीओ के

अर्थशास्त्री भविष्यवाणी कर रहे हैं कि पूरे साल 2025 में वस्तु व्यापार की वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इसकी वजह पूरी तरह भरे हुए भंडार और उच्च सीमा शुल्क के कारण आयात मांग पर पड़ने वाला दबाव बताया गया है। क्षेत्रीय स्तर पर देखा जाए तो तिमाही आधार पर उत्तरी अमेरिका में आयात में सबसे

प्रभास ने खोला होम्बले फिल्म्स के साथ काम करने का राज



अनिल बोदाग मुंबई। प्रभास सच में सबसे बड़े पैन इंडिया सुपरस्टार हैं, जिन्होंने बाहुबली सीरीज, आदिपुरुष, सलार: पार्ट 1 - सीजफायर, कल्कि 2898 एंडी जैसी कई बड़ी हिट फिल्मों दी हैं। जब होम्बले फिल्म्स ने प्रभास के साथ सलार: पार्ट 1 - सीजफायर बनाई, तो प्रभास ने होम्बले फिल्म्स के सफर से जुड़ी एक खास बात याद की। उन्होंने कहा, मुझे केजीएफ का

एक पल अब भी याद है। वो प्रशांत नील की पहली फिल्म थी (इस कंपनी के साथ) और उनका दूसरा प्रोजेक्ट था, तभी सेट पर आग लग गई। खर्च पहले ही ज्यादा था और पूरी टीम टेंशन में थी। तब विजय सर ने कहा, शांत रहो, पैसे की चिंता मत करो बस काम अच्छा करो, उन्होंने बताया, यही बेफिक्री उन्हें खास बनाती है। मैंने कांटाटा और दूसरी फिल्मों में भी ऐसे ही किस्से सुने हैं। वो हमेशा अपने टीम से कहते हैं, मेरी फिल्मों में अच्छा काम सबसे जरूरी है। इसलिए मैं उनके साथ काम करना चाहता हूँ, क्योंकि वो कभी भी काम की क्वालिटी से समझौता नहीं करते।

ग्रामीण इलाकों में अनुकूल परिस्थितियों के चलते कंजमशन थीम को मिली नवसंजीवनी



एजेंसी रांची। ग्रामीण इलाकों में लोगों की बढ़ती आय और सामान्य मानसू की संभावना भारत में कंजमशन में आशावाद को जगा रही है। कंजमशन पर आधारित म्यूचुअल फंडों ने 2025 में निवेशकों को काफी आकर्षित किया है। 2024 की शुरुआत में एक छोटे से झटके के बाद, व्यापक बाजार की तरह मार्च से इस श्रेणी में उछाल आया है। कंजमशन फंडों में, टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड निवेशकों के लिए

विचार करने योग्य निवेश विकल्पों में से एक है। टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड की मासिक औसत प्रबंधनाधीन संपति 30 जून, 2025 तक 2,457.4 करोड़ रुपये तक पहुँच गई, जिसमें 31 मार्च, 2024 के 1,457 करोड़ रुपये से 69 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निवेश के संदर्भ में, टाटा म्यूचुअल फंड के आंतरिक आंकड़ों के अनुसार, टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड में अप्रैल 2024 और जून 2025 के बीच रांची से 15 करोड़ रुपये का निवेश

ऐतिहासिक ड्राइवर ड्राफ्ट के साथ इंडियन रेसिंग फेस्टिवल का आगाज

एजेंसी मुंबई। इंडियन रेसिंग लीग ने अपनी तरह के पहले ड्राइवर ड्राफ्ट के जरिए 2025 सीजन के लिए पूरी टीम लाइन-अप की घोषणा की है। इस ड्राफ्ट में छह फ्रैंचाइजियों के 24 ड्राइवर शामिल हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय चैंपियन, भारतीय प्रतिभाएं और महिला रेसर शामिल हैं। इंडियन रेसिंग फेस्टिवल के 2025 सीजन ने आज अपनी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ दी, जब इंडियन रेसिंग लीग के लिए पहला आधिकारिक ड्राइवर ड्राफ्ट आयोजित किया गया। मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल में आयोजित इस कार्यक्रम ने फ्रैंचाइज मालिकों, लीग अधिकारियों और मीडिया को एक ऐसे सीजन की औपचारिक शुरुआत के रूप में एक साथ लाया, जो उच्च-दांव वाली प्रतिस्पर्धा, वैश्विक प्रतिभा और गहन प्रशंसक जुड़ाव का वादा



करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीम निर्माण की प्रक्रिया में बेहतर संरचना और पारदर्शिता लाना था - जो भारतीय मोटरस्पोर्ट के लिए पहली बार था और यह IRF के उस दृष्टिकोण को दोहराता है जिसमें एक समावेशी और प्रदर्शन-आधारित लीग बनाने की बात कही गई है। इससे पहले शाम को आईआरएल सत्र में, आगामी एक एंटरआरएल सीजन के लिए छह शहर-आधारित फ्रैंचाइजी में 24 ड्राइवरों का चयन किया गया। प्रत्येक टीम ने चार

ड्राइवरों को चुना, जिससे एक संगठित और प्रतिस्पर्धी लाइनअप तैयार हुआ जिसमें एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय ड्राइवर, एक उभरता हुआ अंतरराष्ट्रीय या भारतीय मूल का प्रतिभाशाली खिलाड़ी, एक घरेलू भारतीय ड्राइवर और एक महिला ड्राइवर शामिल हैं। यह चयन न केवल प्रतीकात्मक था, बल्कि रणनीतिक भी था, जिसमें टीमों ने ड्राइविंग शैलियों, ट्रैक अनुभव और डेटा-समर्थित प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर अपने

रोस्टर बनाए। अंतिम ग्रिड में नील जानी - पूर्व फॉर्मूला 1 टेस्ट ड्राइवर और ले मॅस विजेता, जॉन लैक्रेटर - जिनकी पृष्ठभूमि जीपी 2 और एंड्योरेस रेसिंग में है, और राउल हाइमन - भारतीय मूल के दो बार के आईआरएल चैंपियन, जो प्रशंसकों के भारी समर्थन के साथ वापसी कर रहे हैं, जैसे नाम शामिल हैं। भारतीय पक्ष में, रहान अल्वा, सोहिल शाह, साई संजय और अक्षय बोहरा जैसी युवा प्रतिभाएं सिद्ध गति और तीव्र रेस

कौशल लेकर आती हैं, जबकि फैबिएन वोहलवेड, गैब्रिएला जिलकोवा और कैटलिन वुड जैसी महिला रेसर डब्लू सीरीज, एफ 3 और जी टी प्रारूपों में अंतर्राष्ट्रीय अनुभव के साथ ग्रिड को पूरा करती हैं। ड्राफ्ट के बाद एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें भारतीय सिनेमा और खेल जगत की जानी-मानी हस्तियों सहित सभी छह टीम मालिकों ने अपनी टीमों का खुलासा करने और लीग के लिए अपने दृष्टिकोण पर चर्चा करने के लिए मंच संभाला। टीमों के मालिक और फ्रैंचाइजी के प्रमुख मैजचारी इस कार्यक्रम के दौरान मौजूद थे, क्योंकि टीमों ने अपनी पसंद को अंतिम रूप दिया। प्रत्येक मालिक ने अपनी तकनीकी टीमों के साथ मिलकर प्रतिस्पर्धी लक्ष्यों और क्षेत्रीय पहचान, दोनों के अनुरूप एक रोस्टर तैयार करने के लिए मिलकर काम किया।

आरबीआई के नकदी उपायों से 2025 में सस्ते होंगे ऋण: फिच नई दिल्ली। वैश्विक रेंटिंग एजेंसी फिच रेंटिंग्स ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी डालने और नकद-आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कटौती जैसे कदमों से 2025 में ब्याज दरों में संभावित एक फीसदी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंच पाएगा। फिच ने बताया कि आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के जरिए 2025 में अब तक करीब 5.6 लाख करोड़ रुपये की टिकाऊ नकदी प्रणाली में डाली है, जिससे मार्च के बाद से बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी देखने को मिल रही है। इसके अलावा, आरबीआई ने सीआरआर में एक फीसदी कटौती का निर्णय लिया है, जिससे चरणबद्ध तरीके से लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी बाजार में आएगी। सीआरआर में यह कटौती 2025 की दूसरी त्रिमासिक मौद्रिक समीक्षा के तहत घोषित की गई है।



दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। जिसका उद्देश्य न केवल सौंदर्य समस्याओं को हल करना है बल्कि आंतरिक स्वास्थ्य असंतुलन को भी संबोधित करना है। फेट लॉस और मसल बिल्डिंग से लेकर स्किन एंव हेयर केयर सोल्युशन्स तक, यह क्लिनिक

वीएलसीसी की सिग्नेचर सेवाओं को संपूर्ण रेंज प्रदान करता है, जिसमें अडवांस्ड स्किन ट्रीटमेंट, क्लिनिकल डेमेटोलोजी, एंटी-एजिंग थेरेपीज, वेट मैनेजमेंट और पेलेट्स लेजर हेयर रिडक्शन शामिल है। वीएलसीसी के 350 से अधिक

डमेटोलोजिस्ट्स एवं मेडिकल प्रोफेशनल्स का मजबूत नेटवर्क सुनिश्चित करता है कि हर व्यक्ति को उनकी रिकन टाईप, पर्सनल गोल्स एवं लाईफस्टाइल के अनुसार कस्टमाइज्ड कन्सल्टेशन एवं ट्रीटमेंट प्राप्त हो। यह नया क्लिनिक रांची में प्रवेश से कहीं बढ़कर है-यह देश भर में सोल्ड-बैकड, भरोसेमंद ट्रांसफोर्मेशन सोल्युशन्स को सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की दृशात है। डियर-2 मार्केट्स में वैननेस के बारे में बढ़ती जागरूकता और महत्वाकांक्ष के साथ यह लॉन्च आधुनिक सौंदर्य सेवाओं एवं क्लिनिकल वैननेस को देश के हर कोने तक पहुंचाने के हमारे मिशन के अनुरूप है।

रैपिडो ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची, को दी नई सौगात

सस्ते एयरपोर्ट पिक-अप और ड्रॉप की सुविधा शुरू



एजेंसी रांची। भारत के सबसे बड़े राइट-शेयरिंग प्लेटफॉर्म, रैपिडो ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची से सस्ती एयरपोर्ट पिक-अप और ड्रॉप सेवा शुरू की है। इस पहल का मकसद शहर में आने-जाने की सुविधा को बेहतर बनाना है, ताकि लोग आसान, जल्द और कम खर्च में यात्रा कर सकें। इसकी शुरुआत करते हुए रैपिडो ने एयरपोर्ट पर एक कैब बुकिंग काउंटर भी लगाया है, जहां लोग तुरंत कैब बुक कर सकते हैं। इस उद्योतन कार्यक्रम में कई अधिकारी शामिल हुए, जिनमें आर.आर. मोयें (डायरेक्टर जनरल, एएआई रांची), मनोज प्रसाद सिंह (डीजीएम, रांची एयरपोर्ट), सुहावन लकरा (टर्मिनल हेड, एएआई) और रैपिडो के प्रतिनिधि मौजूद थे। रैपिडो ने अब अपनी सेवाओं को बढ़ाते हुए रांची और जमशेदपुर के बीच इंटरसिटी कैब सेवा भी शुरू की है, जिससे यात्रियों को और भी यात्रा विकल्प मिल सकेंगे। प्लेटफॉर्म की योजना है कि ये सेवाएं पूरे झारखंड में फैलाई जाएं। साथ ही, रैपिडो पिक अपटोर जैसी योजनाएं भी शुरू

करने जा रही है, जिसका मकसद महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाना और सरकारी सहयोग से रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। रैपिडो के को-पाउंडर पवन गुन्टुपल्ली ने बताया कि, हम बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची तक रैपिडो की सस्ती यात्रा सेवा शुरू करके बहुत खुश हैं। हमारी लोएस्ट प्राइस गारंटी और 24x7 उपलब्धता के साथ अब यात्री बिना किसी परेशानी के कम दाम में एयरपोर्ट से आ - जा सकते हैं। इस शुरुआत से रांची में हमारे कैप्टन समुदाय को भी फायदा होगा, जिससे उन्हें कमाई के नए मौके मिलेंगे और हमारा लोकल नेटवर्क और मजबूत होगा। आर.आर. मोयें, डायरेक्टर जनरल, एएआई रांची ने कहा कि, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर रैपिडो की सेवा का शुरुआत रांची के लिए एक अच्छी पहल है। यह न सिर्फ यहां के लोगों और यात्रियों के लिए सफर को आसान करेगी, बल्कि रोजगार के अवसर देकर समावेशी विकास को भी बढ़ावा देगा। यह विस्तार रैपिडो की सस्ती और सभी के लिए उपलब्ध यातायात सुविधा के प्रति प्रतिबद्धता को साबित करने का एक और बड़ा कदम है।

खास खबर

शीर्ष क्रम के रन नहीं बनाने से हारे : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सीरव गांगुली ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में भारत की हार के लिए शीर्ष क्रम की खराब बल्लेबाजी को दोषी बताया है। गांगुली ने कहा कि इस टीम में काफी प्रतिभा है पर इसके बावजूद उसे हार का सामना करना पड़ा जो निराशाजनक है। इस मैच में भारतीय टीम 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 170 रन ही बना पायी। गांगुली ने कहा कि यह मैच भारतीय टीम के हाथ में आकर फिसल गया। साथ ही कहा कि अगर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जिम्मेदारी से खेलते तो ऐसा नहीं होता। गांगुली ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजी से इस सीरीज में थोड़ी निराशा हुई है। उन्होंने कहा कि टीम को 190 रन बनाने चाहिए थे। गांगुली के अनुसार टीम में मौजूद खिलाड़ी भी इस परिणाम से बेहद निराश होंगे। उन्होंने कहा कि यह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 2-1 की बढ़त लेने का अच्छा अवसर था बल्लेबाजों ने अपनी गलती से इसे खो दिया। उन्होंने कहा कि यशस्वी जायसवाल एक भी रन नहीं बना पाए जबकि शुभमन गिल और ऋषभ पंत भी दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सके। केएल राहुल ने 39 रन बनाए पर उनका विकेट गिरने के बाद टीम की बल्लेबाजी दमव में आ गयी। गांगुली ने कहा कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने जरा भी संघर्ष नहीं किया। अगर उन्होंने थोड़ा भी धैर्य दिखाया होता तो परिणाम कुछ और होता। उन्होंने यह भी माना कि निचले क्रम के बल्लेबाजों ने रविंद्र जडेजा की अगुवाई में अच्छी बल्लेबाजी कर जुझारू क्षमता दिखायी। जडेजा ने नाबाद 61 रन बनाए और अंत तक खेलते रहे पर बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। गांगुली ने जडेजा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने असाधारण बल्लेबाजी की और वह भारत के लिए तब तक खेलते रहेंगे जब तक इस तरह का प्रदर्शन करते रहेंगे। गांगुली ने कहा कि जडेजा लंबे समय से टीम में हैं और अनुभवी होने का लाभ उन्हें मिल रहा है। उनकी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में अनुभव की झलक दिखती है। वह एक खास खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ साल में उनकी बल्लेबाजी बेहतर हुई है और इसी कारण टीम के लिए वह फावदेमंद हैं।

ऋषभ के रनआउट होने से आया अंतर : स्टोक्स

लंदन । इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट में ऋषभ पंत के आउट होने से मैच बदला था। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने 22 रनों से जीत हासिल की थी। मैच में 193 के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम दूसरी पारी में 170 रन ही बना पायी थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी कहा था कि पहली पारी में ऋषभ के रनआउट होने से मैच में अंतर आया था। उन्होंने कहा कि अगर लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में ब्रुट मिलती तो मैच का परिणाम कुछ और होता। पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा था। इस मैच में इंग्लैंड के 387 रनों का पीछ करते हुए भारतीय टीम ने भी पहली पारी में इतना ही स्कोर बनाया। पंत पहली पारी में 74 रन बनाकर स्टोक्स के एक शानदार श्रौ पर रनआउट हो गए। शुभमन ने कहा, पंत का विकेट मैच का सबसे अहम पल था क्योंकि हमें पता था कि पांचवें दिन बल्लेबाजी कठिन होगी।

इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट के लिए शोएब की जगह लियाम हुए शामिल

लंदन । स्पिनर लियाम डॉसन की आठ साल बाद इंग्लैंड टीम में वापसी हुई है। लियाम को भारतीय टीम के खिलाफ 23 जुलाई से मेनचेस्टर में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है। बावें हाथ के स्पिनर लियाम को चोटिल शोएब बशीर की जगह टीम में शामिल किया गया है। बशीर के तीसरे टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी के दौरान अपनी ही गेंद पर क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया था। वहीं बशीर की जगह शामिल डासन ने इससे पहले जुलाई 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नॉटिंगहम में अपना अंतिम टेस्ट खेला था।

दीपिका ने जीता पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड

एजेंसी नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका ने इतिहास रच दिया है। वह प्रतिष्ठित पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। यह अवॉर्ड उन्हें नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में किए गए शानदार गोल के लिए मिला। इस अवॉर्ड के लिए दुनियाभर के प्रशंसकों ने वोटिंग की थी। 21 वर्षीय दीपिका ने भारत और वर्ल्ड नंबर-1 नीदरलैंड्स के बीच खेले गए मैच में 35वें मिनट में यह गोल किया था। उस समय भारत 0-2 से पीछे चल रहा था। दीपिका ने बाएं छोर से डच डिफेंस को चीरते हुए ड्रिब्लिंग की, बेसलाइन के साथ दौड़ लगाई, एक डिफेंडर की



नीदरलैंड्स के खिलाफ शानदार गोल के लिए दुनियाभर के प्रशंसकों ने दी वोट महिला हॉकी खिलाड़ी दीपिका ने रचा इतिहास

स्टिक के ऊपर से बॉल को चिप किया और शानदार अंदाज में गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को

भारत ने शूटआउट में जीत हासिल की। पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड एफआईएच हॉकी प्रो लीग में किए गए सबसे रचनात्मक और स्किलफुल प्लेयों को सम्मानित करता है और इसका फैसला

गोलपोस्ट में डाल दिया। इस गोल ने भारत की वापसी की नींव रखी और मैच 2-2 से ड्रा होने के बाद

सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन दूसरे दौर में, पीवी सिंधु बाहर

एजेंसी टोक्यो । जापान ओपन 2025 में भारत के लिए मिश्रित नतीजे देखने को मिले। बुधवार को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी.सिंधु एक बार फिर पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं, जबकि लक्ष्य सेन और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईंराज रंकोरेड्डी और चिराग शेटी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। 30 वर्षीय सिंधु को कोरिया की सिम यू जिन से 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह साल 2025 में सिंधु की पांचवीं पहले दौर में हार है। सिंधु शुरूआत से ही लय में नजर नहीं आईं, गलतियों की वजह से अंक गंवाती रहीं और



लम्बाई का सही आकलन करने में भी संघर्ष करती दिखीं। पहले गेम में उन्होंने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन सिम ने वापसी करते हुए गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु 1-6 से पीछे हो गईं। उन्होंने

स्कोर 11-11 तक जरूर बराबर किया, लेकिन इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने तेजी से अंक बढ़ाते हुए सिंधु गेमों में मुकाबला जीत लिया। पुरुष युगल में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और



जकार्ता में एशियान फुटबॉल फेडरेशन के मुकाबले में खेलते हुए इंडोनेशिया और सुनेई के खिलाड़ी।



एजेंसी नयी दिल्ली । विराट कोहली ने 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। - विराट कोहली ने 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। कठउ ने बुधवार को टी-20 रैंकिंग सिस्टम को अपडेट किया। इसी के

आईसीसी रैंकिंग- विराट के तीनों फॉर्मेट में 900+ पॉइंट्स

साथ इस फॉर्मेट से 2024 में रिटायर हो चुके विराट कोहली ने अनोखा रिकॉर्ड बना दिया। वे तीनों फॉर्मेट में 900 से ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स हासिल करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन गए। टी-20 में विराट के बेस्ट रेटिंग पॉइंट्स 897 थे, जो अब बढ़कर 909 हो गए। यह पॉइंट्स उन्होंने 2014 में हासिल किए थे, जो रैंकिंग सिस्टम अपडेट होने के बाद बढ़ गए। विराट टेस्ट में 937 और वनडे में 909 रेटिंग पॉइंट्स 2018 में ही हासिल कर चुके हैं। विराट ने इसी साल में 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था। उन्होंने वनडे से संन्यास

नहीं लिया, जिसकी बैटिंग रैंकिंग में वे फिलहाल चौथे नंबर पर हैं। टी-20 इतिहास की तीसरी बेस्ट रेटिंग हासिल की 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रन बनाए। टीम की जीत मिली, जिसके बाद विराट ने टी-20 से संन्यास ले लिया। कठउ हर साल अपने रैंकिंग सिस्टम में कुछ बदलाव करता है। इससे कई प्लेयर्स की रैंकिंग में हल्का चेंज आता है। इसी से विराट के पॉइंट्स 897 से बढ़कर 909 हो गए, जिससे उनके नाम सबसे छोटे फॉर्मेट में भी 900 प्लस रेटिंग पॉइंट्स का रिकॉर्ड बन गया।

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 टेस्ट ड्रा, हामजा शेख के शतक ने इंग्लिश टीम को हार से बचाया

एजेंसी बेकेनहम । भारत और इंग्लैंड के बीच बेकेनहम में खेला गया अंडर-19 टेस्ट मुकाबला मंगलवार को रोमांचक अंदाज में ड्रा पर समाप्त हुआ। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 63 ओवरों में 350 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 270 रन बनाकर मैच बचा लिया। अंतिम दिन की शुरूआत भारत ने 229 रनों की बढ़त और सात विकेट शेष रहते की थी। विहाज मल्होत्रा (63) ने तेज शुरूआत करते हुए कुछ आकर्षक शाट्स खेलें, लेकिन वह एलेक्स ग्रीन की गेंद पर विकेटकीपर थॉमस रियू को कैच दे बैठे। बारिश के चलते खेल थोड़ी देर बाधित हुआ, लेकिन फिर खेल शुरू होते ही



भारत को झटके लगे। ग्रीन और मिंटो ने क्रमशः अभिज्ञान कुंडू (11) और राहुल कुमार (11) को

पवेलियन भेजा। आर्ची वॉन (6/84) ने मोहम्मद इनाम (53), हेनिल पटेल (0) और दीपेश देवेन्द्रन (4) को आउट

कर भारत को संकट में डाला, लेकिन आर.एस. अम्बरीश ने 53 रनों की तेज पारी खेलते हुए भारत को 248 तक पहुंचाया।

दुनियाभर के हॉकी प्रशंसकों की वोटिंग से होता है। दीपिका के अलावा स्पेन की पेद्रिसिया अल्वारेज और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की ओर से एक और स्किल इस अवॉर्ड के लिए नामित की गई थी। पुरुष वर्ग में यह सम्मान बेल्जियम के विक्टर वेग्नेज को मिला। अवॉर्ड जीतने के बाद दीपिका ने कहा, रयह मेरे लिए बहुत गर्व का पल है। नीदरलैंड्स जैसी मजबूत टीम के खिलाफ गोल करना अपने आप में खसा था और अब इस गोल को इतना बड़ा सम्मान मिलना मेरे लिए अविस्मरणीय है। मैं अपने कोच, टीममेट्स, परिवार और उन सभी को धन्यवाद देती हूँ जो मुझे रोज प्रेरणा देते हैं। यह अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि पूरे भारतीय हॉकी का है। आइए हम सब मिलकर आगे बढ़ते रहें।

अक्षय ने 1000 मीटर में गोल्ड जीतकर बढ़ाया राज्य का मान

वाराणसी । कोलकाता में आयोजित 9वीं रैंकिंग ओपन नेशनल स्पीड स्केटिंग चैम्पियनशिप में उत्तर प्रदेश की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और संस्थान का नाम रोशन किया। बरेका के कुल 7 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और कुल 1 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक जीतकर कीर्तिमान स्थापित किया। यह जानकारी बरेका के जनसम्पर्क अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में सबसे गौरवपूर्ण प्रदर्शन अक्षय दीप उपाध्याय ने किया, जिन्होंने 1000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक और 500 मीटर में रजत पदक जीतकर बरेका का परचम लहराया।

वेस्टइंडीज की हार के बाद सीडब्ल्यूआई ने बुलाई आपात बैठक

किरस्टन । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली शर्मनाक हार, खासकर अंतिम टेस्ट में महज 27 रन पर ढेर होने के बाद क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने अपनी क्रिकेट स्ट्रैटेजी कमेटी की एक आपात बैठक बुलाई है, जिसमें सर क्लाइव लॉयड, सर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा को विशेष आमंत्रण भेजा गया है। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने एक बयान में कहा, स्तुर्त प्रभाव से, मेने क्रिकेट रणनीति और ऑफिशिएटिंग कमेटी के अध्यक्ष को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज, विशेष रूप से अंतिम मैच की समीक्षा हेतु आपात बैठक बुलाने की सलाह दी है। इस बैठक में पहले से ही शामिल पूर्व दिग्गज जैसे डॉ. शिवनारायण चंद्रपॉल, डॉ. डेसमंड हेन्स और इयान ब्रैडशॉ के साथ अब इन महान बल्लेबाजों की भी राय ली जाएगी।

एसआर डीएवी पुंदाग में डीएवी स्पोर्ट्स (2025) क्लस्टर- 2 का शानदार आगाज

ताइक्वांडो , बॉक्सिंग , कुश्ती ; छह खेल प्रतिस्पर्धाओं का शानदार हुआ आगाज



विशिष्ट अतिथि क्लस्टर हेड , एआरओ. जोन - जे सह डीएवी. बरियातू के प्रधानाचार्य एस.के.मिश्रा थे।मुख्य अतिथि ने जीत का,वही सीखता है।हार या जीत का महत्व नहीं होता ,महत्वपूर्ण है खेल भावना ! वहीं

एजेंसी दुबई ।इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट एक बार फिर नंबर एक बल्लेबाज बन गये हैं। रूट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्ररिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसी के साथ ही रुप ने हैरी ब्रूक को नंबर एक स्थान से नीचे धकेल दिया है। रूट के अब 888 रेटिंग अंक हो गये हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में शतक लगाने के अलावा 40 रन भी बनाये थे। हैरी पिछले हफ्ते रूट को पीछे छोड़कर नंबर एक स्थान पर पहुंच गये थे पर लॉर्ड्स में वह रन नहीं बना पाये जिससे उनकी रैंकिंग खराब हुई है और वह 862 अंक लेकर तीसरे नंबर पर फिसल गये हैं। वहीं न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलयमसन 867 अंक के साथ

गेंदबाजी में बुमराह नंबर एक पर बरकरार

ही दूसरे नंबर पर हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल सहित तीन भारतीय बल्लेबाजों की भी रैंकिंग गिरी है। शुभमन तीन स्थान के नुकसान के साथ ही नौवें पर आ गए हैं। उनके 765 अंक हैं। शुभमन लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रन ही बना पाये थे। वहीं सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 801 और विकेटकीपर ऋषभ पंत 779 अंक भी एक-एक स्थान नीचे आये हैं। यशस्वी मैच में केवल 13 रन बना सके। वहीं ऋषभ ने पहली पारी में 74 रन बनाये पर दूसरी पारी में वह 9 रन ही बना पाये।



भारतीय फुटबॉल की स्थिति चिंताजनक : सुनील छेत्री

एजेंसी नई दिल्ली । भारतीय दिग्गज और रिकॉर्ड गोलस्कोर सुनील छेत्री ने देश में मौजूदा फुटबॉल हालात को 'बेहद चिंताजनक' बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के स्थगित होने के बाद खिलाड़ियों और स्टाफ की बढ़ती अनिश्चितता और डर को लेकर अपनी चिंता जताई। छेत्री ने इंस्टाग्राम पर लिखा, भारतीय फुटबॉल की मौजूदा स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। मुझे खिलाड़ियों, स्टाफ मेंबर्स, फिजियो, मसाज करने वालों, बल्कि अन्य क्लबों से भी कई संदेश मिले हैं। हर कोई परेशान है, डरा हुआ है और इस अनिश्चितता को लेकर आहत है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत की शीर्ष पुरुष फुटबॉल लीग आईएसएल को अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया गया है, क्योंकि आईएसएल के आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के बीच इस महीने की शुरूआत में कोई समझौता नहीं हो सका। छेत्री ने हालांकि उम्मीद भी जताई कि हालात जल्द सुधरेंगे। उन्होंने कहा, हमूमेय यकीन है कि जो लोग खेल का संचालन कर रहे हैं, वे सीजन को दोबारा शुरू कराने के लिए प्रयासरत हैं। मैं आशावादी हूँ कि जल्द ही कोई ठोस समाधान



निकलेगा। छेत्री आईएसएल के उद्घाटन सीजन में मुंबई सिटी एफसी का हिस्सा थे और 2013 से दो चरणों में बेंगलुरु एफसी से जुड़े हैं। वह क्लब के साथ अब तक सात खिताब जीत चुके हैं, जिनमें दो आई-लीग और एक आईएसएल खिताब शामिल है। अपनी पोस्ट में उन्होंने खिलाड़ियों और फुटबॉल से जुड़े तमाम कर्मियों के लिए एकजुटता का संदेश भी दिया।

एसआर डीएवी पुंदाग में डीएवी स्पोर्ट्स (2025) क्लस्टर- 2 का शानदार आगाज

ताइक्वांडो , बॉक्सिंग , कुश्ती ; छह खेल प्रतिस्पर्धाओं का शानदार हुआ आगाज



विशिष्ट अतिथि क्लस्टर हेड , एआरओ. जोन - जे सह डीएवी. बरियातू के प्रधानाचार्य एस.के.मिश्रा थे।मुख्य अतिथि ने जीत का,वही सीखता है।हार या जीत का महत्व नहीं होता ,महत्वपूर्ण है खेल भावना ! वहीं

विशिष्ट अतिथि ने भी सभी खिलाड़ियों को शुभ कामनाएं देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को हार - जीत की परवाह न करते हुए अपने शत - प्रतिशत प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहिए। या तो खिलाड़ी जीतता है, या अपने अनुभव से सीखता है।उद्घाटन सत्र में डीएवी. गांधी नगर के प्राचार्य प्रदीप झा ,डीएवी.नीरजा सहाय की प्राचार्या किरण यादव, टी.सी.आई.डीएवी. गोविंदपुर के प्राचार्य एस. के. पाठक , डीएवी. टंडवा के प्राचार्य पुष्प झा , विविध डीएवी. स्कूलों के खेल शिक्षक ,टीम मैनेजर,मार्शल आर्ट खेलों के संचालक सहित अनेक गण - मान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केएससीए टी20 लीग में सबसे महंगे बिके पडिक्कल

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड के बेटे समित द्रविड को महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 लीग के लिए यहाँ हुई नीलामी में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। वहीं बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल सबसे महंगे बिके हैं। पडिक्कल को सबसे ज्यादा 13.20 लाख रुपये में हुबली टाइगर्स ने खरीदा है। ये लीग 11 से 27 अगस्त तक खेली जाएगी। समित पिछले सत्र में लीग का हिस्सा थे, उन्हें मैसूर वॉरियर्स ने 50 हजार रुपये में खरीदा था पर इस बार उनका नाम अंतिम सूची में भी नहीं था। समित को जुनियर राज्य खिलाड़ी के तौर पर सी वर्ग में शामिल किया गया था। उनका नाम अंतिम नीलामी सूची से भी बाहर हो गया। वह ऑस्ट्रेलिया दौर पर गई भारतीय अंडर-19 टीम का भी हिस्सा थे पर चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे।

स्कोरकार्ड, भारत अंडर-19 पहली पारी : 540 (मात्रे 102, कुंडू 90, कुमार 85, अम्बरीश 70, मल्होत्रा 67; ग्रीन 3/74) दूसरी पारी: 248 (मल्होत्रा 63, सुर्यवंशी 56, अम्बरीश 53; वॉन 6/84) इंग्लैंड अंडर-19: पहली पारी: 439 (फिल्टॉफ 93, शेख 84, एकांश 59; हेनिल 3/81, सुर्यवंशी 2/35) दूसरी पारी: 270/7 (शेख 112, मेयस 51, रियू 50)

उन्हें मेयस ने रन आउट किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को तेज रन आउट-शेख दो एकांश सिंह-ने भारत को मैच में वापसी का मौका दिया। इसके बाद रियू भी आउट हो गए, लेकिन रातफी एल्बर्ट और जैक होम ने अंतिम 11.5 ओवरों तक टिककर खेला और इंग्लैंड को हार से बचा लिया।

रुख अपनाया और इंग्लैंड को जीत की उम्मीद थी। हालांकि दो तेज रन आउट-शेख और एकांश सिंह-ने भारत को मैच में वापसी का मौका दिया। इसके बाद रियू भी आउट हो गए, लेकिन रातफी एल्बर्ट और जैक होम ने अंतिम 11.5 ओवरों तक टिककर खेला और इंग्लैंड को हार से बचा लिया।



न बनाएं बोरियत को

आपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कॉहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुरसत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।



लाइफस्टाईल

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कॉहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खेलने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खेलने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छुट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी परसब के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही उठने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

बाहर पढ़ने जा रहे हैं, तो इन बातों को कभी न भूलें



पढ़ाई-लिखाई या फिर रोजगार के सिलसिले में आपमें से कई लोगों को घर से बाहर जाना होगा। कुछ रह भी रहे होंगे। हालांकि कई लोगों के लिए यह अनुभव मजेदार होता है, पूरा आजादी और कोई रोक-टोक नहीं। लेकिन बात बस इतनी सी ही नहीं रहती है। घर से बाहर निकलने पर आपको पूरी जिम्मेदारी भी आप पर ही हुआ करती है। खाना-पीना, कपड़े, अपनी चीजों की देखभाल, स्वास्थ्य और फायनेंस। फिर एक और चीज है अब तक आप घर में रहे हैं, यदि आपकी पॉकेट मनी खत्म हो गई है तो या तो आप अपने से ले सकते हैं या फिर मां से भी। घर से बाहर निकलते ही सबसे पहली दिक्कत खाने की और दूसरी पैसे ही महसूस होने लगती है। कुछ ऐसी चीजें हैं, जो आपको घर से बाहर निकलने से पहले ही सीख लेनी चाहिए, ताकि घर से बाहर रहकर न आप परेशान हों, न आपके घर वाले और न ही आपके दोस्त।

काम चलाऊ कुर्किंग : अपने घर में चाहे आपने कभी चाय का कंटेनर भी बर्नर पर न रखा हो, लेकिन अब चूँकि आप बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने खाने लायक काम चलाऊ कुर्किंग सीख ही लेनी चाहिए। बाहर का खाना एक तो बहुत महंगा पड़ता है, दूसरा बाहर के खाने से स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में यदि आप अपने लिए खाना बनाना सीख लेते हैं तो ये आपके लिए ही बेहतर होगा। तो अभी से अपनी मम्मा को या सिस को अपना ट्यूटर बनाएं और कुर्किंग शुरू करें।

याद रहे घर से बाहर जाते ही सबसे ज्यादा यदि कुछ याद आता है तो वह है घर का खाना। यदि आप फूडी हैं तो यह और भी ज्यादा जरूरी है कि आप कुर्किंग सीख लें, क्योंकि कई बच्चे ऐसे भी होते हैं कि सिर्फ घर के खाने के लिए अपना कोर्स या जॉब छोड़कर लौट आते हैं। इसलिए जरूरी है कि कामचलाऊ खाना बनाना तो सीख ही लें, और यदि अच्छे खाने के शौकीन हैं तो फिर तो अच्छा खाना बनाना सीख लें।

बजटिंग : बाहर निकलते ही बजट गड़बड़ा जाता है। क्योंकि घर से बाहर रहते हुए हर छोटी-बड़ी बात के लिए पैसा लगने लगता है। ऐसे में बजट बनाना अच्छा विकल्प होगा। बजट बनाने हुए थोड़ा पैसा बचा रखें। किसी भी वक्त पैसे ही जरूरत पड़ सकती है। पैसा सोच-समझकर खर्च करें। पहले जरूरतों पर विचार करें, शौक को महीने के आखिरके लिए बचाकर रखें। वीक डेज में फिल्म देखें, सेल से कपड़े, शूज और एक्सेसरीज खरीदें। थोड़ी ग्रांसी की खरीदी में ध्यान रखें। अक्सर मॉल्स में

वीक का कोई एक दिन या फिर मंथ के किसी एक दिन ऑन-फर्स और डिस्काउंट्स दिए जाते हैं, उसका उपयोग करें। कुछ बचत कर पाएंगे।

छुट्टी का उपयोग : अब तक आपको अपने कपड़ों के धोने और प्रेस करवाने की चिंता नहीं करनी पड़ती थी। अब ये चिंता आपको खुद ही करनी होगी। छुट्टी के दिन अपने कपड़े हर हाल में धो लें। और प्रेस कर लें, ताकि वीक डेज में काम करते हुए या इंस्टीट्यूट जाते हुए हड़बड़ी न करनी पड़े। छुट्टी वाले दिन बजाए दिन भर टीवी देखकर बिताने के आप अपने सप्ताह भर के पैडिंग काम निबटा लें।

रिश्ते बनाएं : हो सकता है कि अब तक आपने अपने घर के पास रह रही चोपड़ा आंटी से कभी हलो नहीं किया हो। क्योंकि उनसे मम्मा और दीदी बात कर ही लेती हैं और अंकल को कभी लिफ्ट न दी हो, क्योंकि पापा उनसे बात कर ही लेते हैं। लेकिन अब आप अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। क्योंकि आप अकेले रहते हैं, और किसी भी वक्त आपको अपने पड़ोसियों की जरूरत हो सकती है। कभी देर से नींद खुली हो और पीने का पानी न हो, कभी देर रात आपको तेज बुखार आ रहा हो या फिर पनीर पकाते हुए गैस सिलेंडर खत्म हो गया हो। वजह तो एक हजार हो सकती है, लेकिन नसीहत सिर्फ यही है कि अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। अच्छा भी लगेगा और जरूरत के वक्त मदद भी हो जाएगी।

शेयरिंग हो जाए : हो सकता है आप अपने अपने पैरेंट्स की इकलौती संतान हो। ऐसे में आपकी आदतें एकाधिकारवादी हो सकती हैं। जैसे आप अपनी किताबें किसी के साथ शेयर नहीं करते हैं, या आपकी वाइक आप किसी को यूज करने के लिए नहीं देते हैं। आपने जो अपनी बहन की शादी में ब्लैजर बनवाया था, वह आप अपने दोस्त को पहली डेट के लिए नहीं देते हों। तो अपनी आदतें बदल लीजिए। घर से बाहर निकलने के बाद भी यदि आपकी यही एकाधिकारवादी प्रवृत्ति बनी रही तो आप एकदम अकेले पड़ सकते हैं। दोस्त बनाने के लिए आपको शेयरिंग करना सीखनी होगी। इससे मदद भी हो जाएगी और दोस्ती भी गाढ़ी होगी। अपने बड़ों के आश्रय में रहते हुए बहुत सारा ऐसा होता है, जो हम नहीं सीख पाते हैं। घर से अलग होते ही हम बहुत सारी चीजें खुद-ब-खुद सीख जाते हैं। लेकिन यदि सीखने की मनस्थिति के साथ ही पढ़ने या नौकरी करने जाए तो अकेले रहने का वो वक्त बहुत खुशनुमा व यादगार हो सकता है।

अपने आप बंद हो जाएंगे ब्राउजर के गैरजरूरी टैब तकनीक

अक्सर इंटरनेट चलाते समय कई टैब खोलने की आदत पड़ जाती है लेकिन यूजर उसे बंद करना भूल जाते हैं जिसकी वजह से अधिक डाटा की खपत होती है और कंप्यूटर हंग होने लगता है। अगर ब्राउजर के ये टैब खुद-ब-खुद बंद भी हो सकते हैं लेकिन इसके लिए एक्सटेंशन की मदद लेनी होगी। ऐसे ही खास एक्सटेंशन के बारे में बता रहे हैं रोहित कुमार...

गूगल क्रोम वेब स्टोर पर मौजूद Tab Wrangler एक्सटेंशन की सहायता से क्रोम ब्राउजर में खोले गए पुराने टैब जो प्रयोग नहीं किए जा रहे हैं वह तय समय के बाद खुद ब खुद बंद होने लगते हैं। इस मुफ्त एक्सटेंशन को अपने ब्राउजर में शामिल करने के लिए 'क्रोम ब्राउजर' खोलें, उसके सर्च बार chrome webstore टाइप करें। यहां बाईं ओर सर्च का विकल्प मिलेगा, उसमें Tab Wrangler टाइप कर दें। साथ ही सर्च बार के नीचे दिए गए विकल्पों में से Extensions का चयन करें। अब आपके सामने सबसे ऊपर Tab Wrangler लिखा मिलेगा, उस पर क्लिक करें और वह आपके ब्राउजर में शामिल हो जाएगा। इसका आइकन यूआरएल बार के दाईं तरफ दिखाई देगा। जरूरत पड़ने पर ऑटोमैटिक बंद होने वाले फीचर को रोक भी सकते हैं। इसके अलावा बंद हुए टैब को दोबारा खोलने के लिए इस एक्सटेंशन के आइकन को दबाएं के बाद आपको रीस्टोर करने का विकल्प भी मिल जाएगा।

खुद तय करें टैब का समय

जब इस एक्सटेंशन को ब्राउजर में शामिल करेंगे तो उसमें 20 मिनट का समय पहले से सेट होता है। यानी कोई भी टैब 20 मिनट इस्तेमाल न होने पर खुद बंद हो जाएगा। इसमें दिए गए समय को कम और ज्यादा भी कर सकते हैं। समय को बदलने के लिए ब्राउजर के यूआरएल बार के पास दिए गए एक्सटेंशन के आइकन पर क्लिक करें। इसके बाद नई डिस्के खुलेगी जिसमें ऊपर की ओर 'ऑप्शन' लिखा मिलेगा। इस पर क्लिक कर दें। यहां से आपको 20 मिनट का समय दिखाई देगा। इसके समय को यहीं से बढ़ा या घटा भी सकते हैं।

एसडीटी टैब को कर सकते हैं लॉक

ब्राउजर में किसी एक टैब को खुला रखना चाहते हैं तो उसे लॉक किया जा सकता है। इसके लिए एक्सटेंशन के आइकन पर जाना होगा। इसके बाद जो स्क्रीन खुलेगी उसमें इथर खधदध पर क्लिक करें। यहां से ब्राउजर में खुली सभी वेबसाइट को एक साथ देख सकते हैं। इसके अलावा जिस टैब को लॉक करना चाहते हैं उसके सामने दिए गए बॉक्स पर टच कर दें। यह वेबसाइट तब तक लॉक रहेगी जब तक आपका कंप्यूटर खुला रहेगा। वहीं स्थायी तौर पर किसी वेबसाइट को खुला रखना चाहते हैं तो एक्सटेंशन के आइकन पर दोबारा क्लिक करने के बाद ऊपर की तरफ तीसरे नंबर पर दिए गए 'ऑप्शन' पर क्लिक करने के बाद सबसे नीचे Auto-Lock लिखा मिलेगा, उसके नीचे दिए गए बॉक्स में जिस वेबसाइट को लॉक करना चाहते हैं उसका यूआरएल कॉपी कर शामिल कर दें।

वजन घटाने में फायदेमंद साबित होगा पानी

यह सलाह तो आपने सुनी ही होगी कि रोज 8 से 10 ग्लास पानी पिया करो...। सवाल यह है कि यह 8-10 ग्लास पानी का गणित आखिर क्या है और क्या यह आंकड़ा हर हाल में, सबके ऊपर लागू होता है? सच तो यह है कि 8 से 10 ग्लास पानी पीने की उक्ति महज एक मोटी-मोटी गाइडलाइन है। कुछ लोगों को प्रतिदिन इससे अधिक पानी पीने की भी जरूरत पड़ सकती है और कुछ लोगों का काम इससे कम पानी पीने से भी चल सकता है।

खैर, यह तो हुई सामान्य तौर पर पानी पीने की बात। अगर क्या आप जानते हैं कि पानी वजन घटाने में भी मददगार हो सकता है? जी हां, यदि आपका वजन सामान्य से अधिक है, तो पानी आपका वजन घटाने का 'जादू' भी कर सकता है। खास तौर पर यदि आप अधिक नमक वाला, प्रोसेस्ड फूड ज्यादा खाते हैं और इसी के माध्यम से आपका अधिकांश कैलोरी प्राप्ति होती है, तो पानी वाकई आपके लिए वजन घटाने वाला जादूगर साबित हो सकता है। जानते हैं कैसे:

वसा को भस्म करता है पानी : शोध में पाया गया है कि किसी हार्ड-कैलोरी ड्रिंक के बजाए पानी पीने से 40 प्रतिशत अधिक फैट, यानी वसा बर्न होती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप भोजन के साथ सोडा, जूस आदि कैलोरी से भरपूर ड्रिंक्स में बजाए पानी ही पिएं।

बीएमआई होता है कम : अधिक पानी पीने से आपका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) भी कम होता है। इसके पीछे कारण यह है कि अधिकांश लोग प्रतिदिन लगभग एक जैसी मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन करते हैं। ऐसे में यदि वे पानी का अनुपात बढ़ा दें, तो अन्य, कैलोरी प्रधान तरल पदार्थों का सेवन स्वतः कम हो जाएगा। इससे उनका कैलोरी इनटेक घट जाएगा और वजन

घटाने में मदद मिलेगी।
भूख में कटौती : हालांकि भूख रहना वजन घटाने का कोई सही तरीका नहीं है लेकिन यदि आपमें आवश्यकता से अधिक खाने की आदत है, तो पानी यहाँ आपकी मदद कर सकता है। 12 सप्ताह तक चली एक शोध में देखा गया कि जिन लोगों ने भोजन से पहले दो ग्लास पानी पिया, उन्होंने पहले से कम मात्रा में भोजन ग्रहण किया। कैलोरी प्रधान ड्रिंक पीने वालों के मुकाबले इन पानी पीने वाले लोगों का वजन 44 प्रतिशत ज्यादा घटा।

ऐसे बना सकते हैं शादी जिंदगी को कामयाब

रिश्ते-नाते



शादी लाइफ का खास और खुशी भरा लम्हा होता है। इस पल को यादगार बनाने के लिए अपने साथी की छोटी-बड़ी खुशी का ध्यान रखना जरूरी होता है। कहा जाता है शादी और खुशी ऐसा पॉजिटिव रिलेशनशिप है जिसमें अविवाहिता की तुलना में शादीशुदा लोग ज्यादा खुश रहते हैं। कैसे आइये जानें कामयाब शादी के लाभों के बारे में...

- सफल शादीशुदा पति-पत्नी हमेशा खुशी के एहसास में जीते हैं। वह लाइफ में होने वाली परेशानियों से कभी निराश नहीं होते।
- विवाह एक सुरक्षा कवच की तरह होता है, जो पति-पत्नी दोनों को एक सफल जीवन जीने में अक्षासन देती है।
- रोमांस के पलों को यादगार बनाने के लिए अपने साथी को हॉट मैसेज भेजें, खुशबू वाले कैडल से अपने साथी के लिए कैडल लाइट डिनर अरेंज कर उनके करीब आएं।
- अपने साथी का ढाल बन कर साथ देना अच्छी बात है अगर आपको लगता है कि आपका पार्टनर सही कह रहा है ऐसे समय में उसका पूरा-पूरा साथ दें, यह बात उसे एहसास दिलाएगी कि वह अकेला नहीं है।
- याद रखें कि हर रात पहली रात ही है इसलिए पहले अपनी पत्नी की भावनाओं का खयाल रखें। अगर बात नहीं बनती है तो रोमांस के पलों में समय लगाएं।
- अपने पार्टनर की दी हुई सभी चीजों को अपने पास यादगार के तौर पर रखें। इससे आप दोनों एक-दूसरे के पहले से भी ज्यादा करीब आ जाएंगे।
- अपने पार्टनर को यह एहसास दिलाएं कि जो बातें और रिलेशनशिप उसे आपके साथ शेयर करनी चाहिए, वो किसी और के साथ अंजाने में शेयर कर रहे हैं।
- खुश-सुख बांटने से पति-पत्नी दोनों जहां एक तरफ अपनी सारी परेशानियों से बाहर निकल आते हैं, वहीं फाइनेंशियली भी सुरक्षा महसूस होती है।
- जब तनाव न हो, तो मन शांत रहता है और काम करना बोझ नहीं लगता। फिर चाहे वह घर का काम हो या ऑफिस का, व्यक्ति मन लगाकर करता है।





मैं एक एक्टर हूं और मुझे जो रोल मिला है, मैं उसे निभा रहा हूं

टीवी की दुनिया में दोबारा लौटे शरद केलकर इन दिनों अपने नए शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। शो में उनकी किरदार 46 साल के एक बिजनेस मैन का है, जो 19 साल की लड़की (निहारिका चौकसे) से प्यार करता है। इस 27 साल की उम्र के फासले को लेकर उनकी सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। इस बारे में शरद केलकर का क्या कहना है? सोशल मीडिया ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां हर कोई अपनी राय थोपता है। अमर उजाला डिजिटल से बातचीत के दौरान शरद केलकर ने नए सीरियल को लेकर हो रही आलोचना, विवाद पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, आजकल सोशल मीडिया ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां हर कोई अपनी राय थोपता है। किसी को कुछ पसंद आता है, किसी को नहीं, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। शरद केलकर आगे कहते हैं, मैं एक एक्टर हूं और मुझे जो रोल मिला है, मैं उसे निभा रहा हूं। अगर यही चीज रियल लाइफ में होती, तब भी शायद मुझे फर्क नहीं पड़ता। ये सिर्फ एक किरदार है, कोई असल जिंदगी की कहानी नहीं।

फोन का सही

इस्तेमाल कीजिए

शरद ने आलोचकों को सलाह देते हुए कहा, आपके परिवार ने मुश्किल से आपको मोबाइल फोन दिलाया है, तो उसका सही इस्तेमाल कीजिए। कुछ अच्छा कीजिए, पॉजिटिव सोचिए। सोशल मीडिया पर निगेटिव बातें फैलाने से किसी का भला नहीं होता।

इंसान पहले नेगेटिव चीजों की तरफ आकर्षित होता है

शरद केलकर के अनुसार, ये इंसान की फितरत है कि वह पहले नेगेटिव चीजों की तरफ आकर्षित होता है। लेकिन हमें सोचना चाहिए कि हम अपनी जिंदगी में पॉजिटिव रहना चाहते हैं या नेगेटिविटी में उलझे रहना चाहते हैं।

कहानी सिर्फ रोमांस नहीं, सोच का टकराव भी दिखाती है

शरद यह भी बताते हैं कि शो के मेकर्स का कहना है कि 'तुम से तुम तक' सिर्फ एक लव स्टोरी नहीं है, बल्कि यह दो पीढ़ियों की सोच, समाज की मानसिकता और रिश्तों की जटिलताओं को भी सामने लाता है। उम्र के फासले पर उठ रहे सवाल को लेकर मेकर्स जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी बात रखेंगे।



कार्तिक और अनन्या की फिल्म से जुड़े जैकी श्राफ

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी में तेरा, मैं तेरा तू मेरी में' एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है। ऐसे में अब इस फिल्म से जाने माने अभिनेता जैकी श्राफ भी जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट से दी है। कार्तिक आर्यन ने शेरार किया वीडियो

कार्तिक आर्यन ने एक वीडियो के जरिए बताया है कि उनकी फिल्म में जैकी श्राफ की एंट्री हुई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक और जैकी एक गाने पर मजे कर रहे हैं। जैकी श्राफ ने टोपी और चश्मा लगाया है। वह दर्शकों को फ्लाइंग किस दे रहे हैं। इससे पहले फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के सेट से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे का पहला लुक जारी किया था। पोस्टर में नजर आ रहा था कि दोनों ने अपने हाथ में पासपोर्ट लिया हुआ था और समुद्र के किनारे एक दूसरे को किस कर रहे थे। पोस्टर से लग रहा था कि यह फिल्म रोमांटिक होने वाली है।



रिलेशनशिप में मिले इन अनुभवों से शादी से डरती हैं श्रुति हासन

अभिनेत्री श्रुति हासन अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें शादी से बहुत डर लगता है। साथ ही आपको बताते चलें कि अभिनेत्री पहले थांतनु हजारािका के साथ रिलेशनशिप में थीं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह शादी के बंधन में बंधने के करीब पहुंच गई थी, लेकिन कुछ ऐसा हुआ जिसकी वजह से उनकी शादी टूट गई।

वो मेरी गलती नहीं थी

श्रुति हासन हाल ही में अपने रिलेशनशिप और निजी जिंदगी के बारे में बात कीं। एक्ट्रेस ने अपने पुराने ब्रेकअप के बारे में बात करते हुए कहा कि किसी कारण वश उनका पुराना रिश्ता टूट गया, जिसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। वह एक बेमेल रिश्ता था। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें शादी से डर लगता है।

बच्चों को अपनाऊंगी

आगे बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं

मनोवैज्ञानिक स्तर पर बच्चों को अपनाऊंगी। मैं अपने जीवन में लोगों को परेशान करना और उन्हें जरूरत से ज्यादा खयाल करना बंद कर दूंगी। एक ऐसे व्यक्ति का साथ दूंगी, जो वास्तव में इसका हकदार है। मुझे लोगों को और अपने दोस्तों को अपने जीवन में बदलते और बढ़ते देखना बहुत पसंद है। मैं यह देखना पसंद करूंगी कि ऐसा उस व्यक्ति के साथ हो जो मुझसे गहराई से जुड़ा हुआ हो।' आगे श्रुति हासन ने बताया कि वह सिंगल हैं और खुद से सबसे ज्यादा प्यार करती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह अकेलेपन को अपनाने की कोशिश कर रही हैं और इसे वह अकेलापन कहना पसंद नहीं करतीं, क्योंकि उन्होंने देखा है कि लोग सिर्फ अकेलेपन के डर से रिश्ते चुनते हैं।

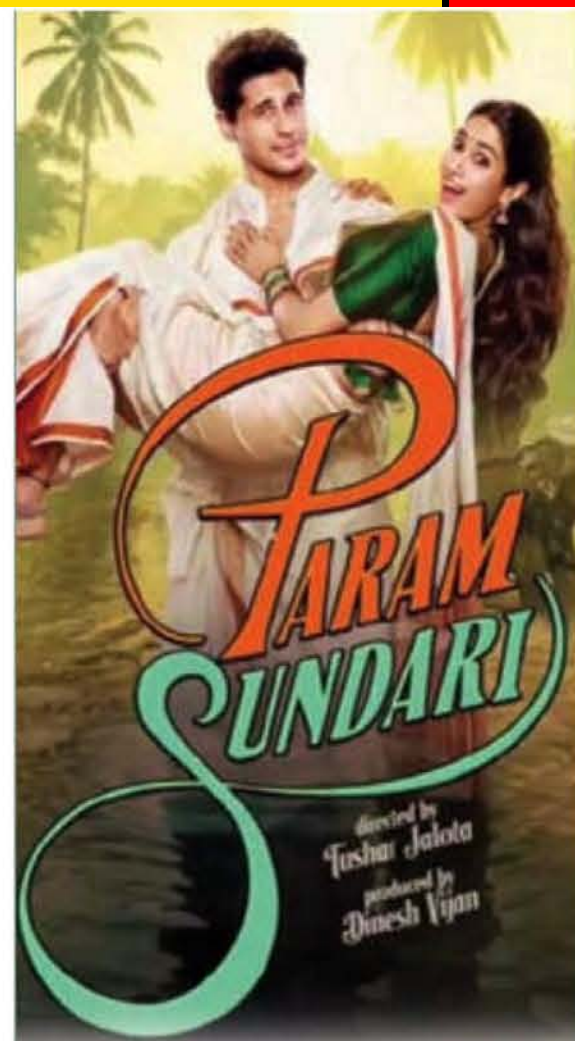
श्रुति हासन का वर्कफ्रंट

श्रुति हासन के करियर फ्रंट की बात करें तो वह इस साल दो तमिल फिल्मों में नजर आएंगी। एक फिल्म रजनीकांत की 'कुली' है, वहीं दूसरी फिल्म का नाम 'ट्रेन' है। वह प्रभास के साथ एक फिल्म सालार 2 भी कर रही हैं, इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा है।

सार्वक प्रतिनिधित्व पर जियोर्जिया एंड्रियानी ने की बात

हाल ही में अभिनेत्री जियोर्जिया एंड्रियानी ने सिनेमा में महिलाओं के चित्रण विशेष रूप से भारतीय फिल्मों के सदाबहार डांस नंबरों को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा की शुरुआत की है। अपने काम के प्रति विचारशील दृष्टिकोण के लिए जानी जाने वाली जियोर्जिया ने यह स्पष्ट किया कि नारीत्व का उत्सव मनाना और महिलाओं को केवल आकर्षण का साधन बनाना, दोनों में बुनियादी अंतर है। उनके विचारों ने यह उजागर किया कि फिल्म इंडस्ट्री किस तरह मनोरंजन और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक प्रस्तुति के बीच संतुलन बना सकती है। डांस सीक्वेंस और सिनेमा में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बोलते हुए जियोर्जिया ने एक संतुलित और सूक्ष्म नजरिया पेश किया। जिसने इस मुद्दे की जटिलता को स्वीकार किया। उन्होंने बताया, एक सीन को किस सोच के साथ गढ़ा गया है और उसे कैसे जीवंत किया गया है, यही सबसे अहम होता है। जब सही तरीके से किया जाए, तो डांस नंबर बेहद सशक्त हो सकते हैं और महिलाओं की खूबसूरती, आत्मविश्वास और ताकत का उत्सव बन सकते हैं। मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स की ओर आकर्षित होती हूँ जो किसी महिला के केवल शारीरिक रूप-रंग के बजाय उसकी आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास को उजागर करते हैं।

उनकी यह सोच इस बात पर जोर देती है कि दर्शकों को स्क्रीन पर सिर्फ जो दिखता है, उससे आगे जाकर यह भी समझना जरूरी है कि उस रचनात्मक निर्णय के पीछे का उद्देश्य और संदेश क्या है। अभिनेत्री ने महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करते हुए कलात्मक अखंडता बनाए रखने वाली परियोजनाओं का हिस्सा बनने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं ऐसी भूमिकाएँ चुनने में विश्वास करती हूँ जो सिनेमा में कुछ सार्वक योगदान दें। जब कहानी कहने के पीछे सच्ची मंशा हो, तो मनोरंजन और सम्मान खूबसूरती से एक साथ रह सकते हैं। फिल्म इंडस्ट्री समाज की सोच को आकार देने की ताकत रखती है और मैं उस सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनना चाहती हूँ।



25 जुलाई को रिलीज होगी सिद्धार्थ-जान्हवी की 'परम सुंदरी'

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई रिलीज डेट टलने के बाद फिल्म को लेकर अब एक नई अपडेट सामने आई है। जिससे ये पता चलता है कि ये रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म कब रिलीज होने वाली है।

फिर आगे बढ़ी 'परम सुंदरी' की रिलीज

जब फिल्म का टीजर जारी किया गया था तब फिल्म की रिलीज डेट 25 जुलाई बताई गई थी। लेकिन अब तक फिल्म के आगे की कोई जानकारी सामने न आने के बाद अब फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। राजकुमार राव की 'मालिक' के साथ 'परम सुंदरी' का टीजर दिखाया गया। इसके साथ ही ये साफ हो गया कि एक बार फिर सिद्धार्थ और जान्हवी की इस रॉम-कॉम की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है।

जुलाई नहीं अब अगस्त में आएगी 'परम सुंदरी'

'परम सुंदरी' का पहला लुक राजकुमार राव और मानुषी खिल्लर की फिल्म 'मालिक' के थिएटर प्रिंटस के साथ जारी किया गया है। इसमें फिल्म की रिलीज आगे बढ़ने की जानकारी भी सामने आई है। इस लुक में लिखा गया है कि 'परम सुंदरी' इस अगस्त में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे स्पष्ट है कि 25 जुलाई को रिलीज होने वाली 'परम सुंदरी' अब अगस्त में रिलीज होगी। हालांकि, अभी फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है।

मई में जारी हुआ था फिल्म का टीजर

'परम सुंदरी' का टीजर मई में जारी किया गया था। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा को नॉर्थ के लड़के परम और जान्हवी कपूर को साउथ की लड़की सुंदरी के रूप में दिखाया गया था। साथ ही टीजर में सोनू निगम की आवाज में गाने की कुछ लाइन्स भी सुनाई देती हैं। इस टीजर को काफी पसंद किया गया था। इसके सामने आने के बाद फैंस फिल्म के लिए उत्साहित हैं। टीजर में फिल्म की रिलीज डेट 25 जुलाई बताई गई थी।

मैडॉक फिल्म ने किया

'परम सुंदरी' का निर्माण

'परम सुंदरी' का निर्माण मैडॉक फिल्म्स ने किया है। फिल्म में नॉर्थ और साउथ के लड़के-लड़की की प्रेम कहानी को दिखाया गया है। इस फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है। फैंस को अब फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार है।

मीना कुमारी और मधुबाला की बायोपिक करना चाहती हैं तृप्ति

तृप्ति डिमरी जल्द ही सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'धड़क 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि वो मधुबाला या मीना कुमारी जैसी आइकॉनिक शख्सियतों की बायोपिक करना चाहती हैं। बातचीत में अभिनेत्री ने यह भी बताया कि 'लेला मजनु' की असफलता ने उन्हें निराश किया था, लेकिन 'बुलबुल' की सफलता ने उनका आत्मविश्वास दोबारा लौटा दिया। 'धड़क 2' को लेकर आप कितनी उत्साहित हैं? क्या सीकल फिल्म में काम करने का अलग प्रेशर होता है? मैं बहुत उत्साहित हूँ, क्योंकि यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। सीकल में काम करना अपने आप में एक अलग अनुभव होता है, लेकिन मेरे हिसाब से प्रेशर लेना या न लेना, ये पूरी तरह व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं दबाव नहीं लेती। मेरा मानना है कि जब आप दबाव में काम करते हैं, तो चीजें बिगड़ने लगती हैं। असली जादू तब होता है जब आप बिना किसी दबाव के पूरी ईमानदारी से और अपने डायरेक्टर व टीम पर भरोसा रखते हुए काम करें। शूटिंग के दौरान हमने हर दिन को सहजता से

लिया, एक-दूसरे पर भरोसा रखा और दिल से काम किया। शायद इसी वजह से स्क्रीन पर भी सब कुछ दिल से जुड़ा हुआ लगता है। आपके दिल में कौन-सा रोल करने की तमन्ना है? कोई ऐसा सपना जो आप पर्दे पर जीना चाहती हों? ऐसे बहुत सारे रोल हैं जो मैं करना चाहती हूँ। लेकिन अगर खास तौर पर कहूँ तो मुझे अब एक्शन करना है। अभी तक कभी एक्शन नहीं किया और मुझे लगता है कि वो एक ऐसा जॉनर है जिसमें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। आप अपनी बॉडी का इस्तेमाल करते हैं, फाइट सीक्वेंस होते हैं। उस जैन में काम करना फिजिकली और मेंटली दोनों तरह से डिमांडिंग होता है। आज के दौर में ग्रे और निगेटिव किरदारों को खूब सराहा जाता है। क्या ऐसे रोल एक एक्टर को खुद को साबित करने का ज्यादा मौका देते हैं? काजोल मैम ने गुप्त में कमाल का काम किया था। अगर उस तरह का कोई रोल मिले, तो मैं जरूर करना चाहूंगी। अब वो जमाना नहीं रहा जब निगेटिव रोल को सिर्फ विलेन समझा जाता था।

आज के दौर में अगर आप एक ग्रे या निगेटिव कैरेक्टर को गहराई और सच्चाई के साथ निभाते हैं, तो ऑडियंस उसे अलग तरह से तारीफ करते हैं। क्या कोई बायोपिक करने की भी ख्वाहिश है? बहुत, मैं बायोपिक जरूर करना चाहती हूँ। मैं मीना कुमारी जी और मधुबाला जी की बहुत बड़ी फैन हूँ। अगर उनकी जिंदगी पर कोई बायोपिक बन रही हो और मुझे उसमें मौका मिले, तो वो मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। आपने कॉलेज स्टूडेंट का रोल निभाया। क्या शूटिंग के दौरान कोई पल आपको अपने कॉलेज के दिनों की याद दिला गया?

कई बार, जब हम वलासरूम में शूट कर रहे थे, तो ऐसा लगता था कि सच में कॉलेज में बैठे हैं। हमें डायरी मिलती थी, हम वलासरूम में बैठते थे और वो सारे पुराने गेम्स खेलने लगते थे जैसे नेम प्लेस, एनिमल, थिंग - जो हम बचपन में खेलते थे। उस समय कॉलेज की बहुत सी यादें ताजा हो गईं। पूरी यूनिट ने ये कोशिश की कि एक रियल कॉलेज गैंग जैसा माहौल बने, वही मस्ती, वही एनर्जी। जबकि फिल्म का टोन सीरियस है, लेकिन पर्दे के पीछे हम सब बहुत हंसी-मजाक कर रहे थे। वो मजा अलग ही था।

'धड़क 2' जैसे विषयों की बात करें, क्या रियल लाइफ में आपने कभी किसी ऐसे अनुभव के बारे में सुना या देखा है?

मैंने खुद ऐसा अनुभव नहीं किया, लेकिन कई किस्से सुने हैं दोस्तों से, जानने वालों से। जैसे एक बार किसी की शादी में उनके रिश्तेदार नहीं गए,

सिर्फ इसलिए कि वो इंटरकास्ट मैरिज थी। उस समय शायद किसी ने ज्यादा सवाल भी नहीं उठाया। बस कहा गया अरे अलाउड नहीं होगा और बात खत्म। लेकिन अब वक्त बदल गया है। अब हम पूछते हैं क्यों अलाउड नहीं होगा? और मुझे लगता है कि ये सवाल उठाना बहुत जरूरी है। यही 'धड़क 2' जैसी फिल्मों की जरूरत भी है। क्योंकि हम सोचते हैं कि ऐसी चीजें तो अब नहीं होतीं, लेकिन हकीकत ये है कि आज भी और वो भी सिर्फ गांवों में नहीं बल्कि पढ़े-लिखे शहरों में, ये सब होता है।



